दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'एक पल की चूक जीवन बदल सकती है, इसलिए हर निर्णय से पहले धैर्य को अपना सबसे बड़ा सलाहकार बनाइए '

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-156 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 30 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'एक गलती का बोझः जब उम्रभर की अच्छाइयाँ एक पल में धुंधली हो जाती हैं '

समाज का एक कड़वा सच है–यहाँ इंसान की अच्छाइयों की उम्र अक्सर छोटी होती है, लेकिन उसकी एक गलती 'अमर' हो जाती है। वर्षों की मेहनत, ईमानदारी और अच्छे आचरण से बनी छवि एक क्षण की चूक से ध्वस्त हो सकती है। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि समाज की सोच का भी आईना है, जो अच्छाई को सामान्य और गलती को असामान्य मानकर उसे स्थायी पहचान बना देता है। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है।

मानव जीवन एक निर्माण प्रक्रिया है। हम अपने व्यवहार, विचार और कर्मों के माध्यम से धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाते हैं। यह पहचान एक दिन में नहीं बनती, बल्कि वर्षों की तपस्या, अनुशासन और निरंतर प्रयास का परिणाम होती है। लेकिन विडंबना यह है कि इस लंबे सफर को समाज अक्सर भूल जाता है और केवल एक गलती के आधार पर व्यक्ति को आंक देता है। जैसे एक भव्य महल वर्षों में बनता है, लेकिन एक चिंगारी उसे राख कर सकती है–ठीक वैसा ही हमारे चरित्र के साथ भी होता है। इस स्थिति को समझने के लिए 'सफेद चादर' का उदाहरण बेहद सटीक है। एक बेदाग सफेद चादर पर यदि एक छोटा सा धब्बा लग जाए, तो देखने वालों की नजर उस धब्बे पर ही टिक जाती है, पूरी चादर की सफेदी पर नहीं। यही हमारे समाज की मानसिकता बन चुकी है–हम अच्छाइयों की विशालता को नजरअंदाज कर एक छोटी सी गलती को केंद्र में रख देते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल अनुचित है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के भी विपरीत है। गलतियाँ होना स्वाभाविक है। कोई भी इंसान पूर्ण नहीं होता। हर व्यक्ति अपने जीवन में कभी न कभी गलती करता है, क्योंकि वह परिस्थितियों, भावनाओं और आवेगों से प्रभावित होता है। अक्सर गलतियाँ तब होती हैं जब हमारा विवेक हमारे आवेग से हार जाता है। गुस्से, अहंकार या जल्दबाजी में लिया गया एक निर्णय हमारे पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित कर सकता है। यही वह क्षण होते हैं, जो हमारे जीवन की दिशा बदल देते हैं। समस्या केवल गलती करने में नहीं है, बल्कि उस गलती को देखने और समझने के तरीके में है। समाज अक्सर एक गलती को व्यक्ति का 'असली चेहरा' मान लेता है, जबकि वह उसकी जिंदगी का सबसे कमजोर पल हो सकता है। यह दृष्टिकोण न केवल कठोर है, बल्कि अन्यायपूर्ण भी है। यदि हम हर व्यक्ति को उसकी एक भूल के आधार पर आंकेंगे, तो शायद कोई भी सम्मान का पात्र नहीं बचेगा। इतिहास गवाह है कि कई महान व्यक्तियों ने भी गलतियाँ की हैं, लेकिन उन्होंने अपनी गलतियों से सीखकर खुद को बेहतर बनाया। यदि समाज उन्हें उनकी एक भूल के कारण खारिज कर देता, तो शायद वे महानता की उस ऊंचाई तक कभी नहीं पहुंच पाते। इसका अर्थ यह है कि गलती अंत नहीं है, बल्कि सुधार और आत्ममंथन का अवसर है। आज के डिजिटल युग में यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। सोशल मीडिया के माध्यम से किसी की एक छोटी सी गलती पलभर में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। बिना पूरी सच्चाई जाने लोग उस व्यक्ति को कठघरे में खड़ा कर देते हैं। 'ट्रोलिंग' और 'कैंसल कल्चर' जैसी प्रवृत्तियाँ इसी मानसिकता का परिणाम हैं, जहाँ इंसान की पूरी पहचान उसकी एक गलती तक सीमित कर दी जाती है। इस परिस्थिति में दो स्तरों पर बदलाव की आवश्यकता है। पहला–व्यक्ति स्तर पर। हमें यह समझना होगा कि हमारा हर निर्णय, हर शब्द और हर व्यवहार हमारी छवि को प्रभावित करता है। इसलिए किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले, विशेषकर गुस्से या आवेग की स्थिति में, हमें 'मौन' रहना सीखना चाहिए। वह कुछ क्षण का धैर्य हमारी पूरी जिंदगी को बचा सकता है।

दूसरा–समाज स्तर पर। हमें अपनी सोच को बदलना होगा। हमें यह स्वीकार करना होगा कि गलती करना मानवीय है और सुधार करना महानता का प्रतीक है। यदि हम किसी व्यक्ति की उम्रभर की अच्छाइयों को उसकी एक भूल के कारण नजरअंदाज कर देते हैं, तो हम केवल उसके साथ ही नहीं, बल्कि मानवता के साथ भी अन्याय करते हैं। हमें यह भी सीखना होगा कि किसी की आलोचना करते समय संवेदनशीलता बनाए रखें। यदि हम किसी की गलती को सुधारने के बजाय उसे अपमानित करते हैं, तो हम समस्या का समाधान नहीं, बल्कि उसे और बढ़ावा देते हैं। एक सकारात्मक समाज वही होता है, जो गलतियों को स्वीकार करता है, सुधार का अवसर देता है और अच्छाइयों को प्रोत्साहित करता है।

अंततः, यह समझना जरूरी है कि इंसान की पहचान उसकी एक गलती से नहीं, बल्कि उसके पूरे जीवन से होती है। हमें दूसरों के प्रति वही दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जिसकी अपेक्षा हम स्वयं के लिए करते हैं। क्योंकि सच यही है–एक गलती किसी का पूरा सच नहीं होती, और एक अच्छाई भी किसी को पूर्ण नहीं बनाती। जीवन इन दोनों के संतुलन का नाम है।

सीकर में 102 सेंटर पर होगी नीट परीक्षाः 30 हजार अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, 1:30 बजे के बाद 'नो-एंट्री'

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

सीकर में 3 मई को 102 एग्जाम सेंटर पर 29979 स्टूडेंट नीट परीक्षा देंगे। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट-2026) का आयोजन रविवार को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। एग्जाम के सफल और शांतिपूर्ण संचालन के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रुप दे दिया है। बुधवार को सीकर जिला कलेक्टर आशीष मोदी की अध्यक्षता में नीट एग्जाम को लेकर संबंधित अधिकारियों की विशेष बैठक हुई। बैठक में सभी जरुरी तैयारियों की विभागवार समीक्षा हुई। कलेक्टर आशीष मोदी ने बताया कि जिले में इस साल कुल 102 एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं। इस बार सभी एग्जाम सेंटर केवल सरकारी स्कूलों और कॉलेज में ही रखे गए हैं। परीक्षा के दौरान लॉ एंड ऑर्डर, अनुचित साधनों की रोकथाम और भीषण गर्मी (हीटवेव) से बचाव आदि का विशेष ध्यान रखा जाएगा। एग्जाम कॉर्डिनेटर एडीएम रतन कुमार स्वामी ने से अपील की है कि समय का विशेष ध्यान रखें। एग्जाम सेंटर पर सुबह 11 बजे से एंट्री शुरू कर दी जाएगी। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होनी है, इसलिए स्टूडेंट्स को गाइडलाइन के अनुसार परीक्षा शुरू होने से ठीक आधे घंटे पहले, यानी दोपहर 1:30 बजे तक ही एग्जाम सेंटर में एंट्री दी जाएगी। सभी एस्पिरेंट्स की बायोमेट्रिक अटेंडेंस की जाएगी और पूरे एग्जाम सेंटर की

वीडियोग्राफी करवाई जाएगी।

नकल और पेपर लीक जैसी गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए प्रशासन पूरी तरह सख्त है। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि परीक्षा ड्यूटी में केवल उन्हीं सरकारी कर्मचारियों को लगाया जाएगा, जिनका पुलिस वेरिफिकेशन हो चुका है। ऐसे किसी भी कर्मचारी को ड्यूटी नहीं दी जाएगी जिसके खिलाफ पहले नकल संबंधी कोई मामला दर्ज हो। फोर्थ ग्रेड कर्मचारी भी साफ-सुथरी छवि वाले ही लगाए जाएंगे। एग्जाम सेंटर के अंदर केवल सेंटर सुपरिटेंडेंट के पास ही मोबाइल फोन रहेगा। इमरजेंसी के लिए 10 से 12 इविजिलेटर रिजर्व रहेंगे। मई माह की भीषण गर्मी और हीटवेव के अलर्ट को देखते हुए स्टूडेंट्स के लिए विशेष बंदोबस्त किए जा रहे हैं। सभी एग्जाम सेंटर पर रेगुलर बिजली सप्लाई के लिए साइलेंट जनरेटर की व्यवस्था रहेगी। हर सेंटर के पास एएनएम और मेडिकल स्टाफ की ड्यूटी रहेगी। परीक्षा समाप्त होने के बाद ओएमआर शीट जमा करने की प्रक्रिया को पूरी तरह सुव्यवस्थित रखा जाएगा ताकि भीड़ ना हो। एग्जाम के लिए जिले में 6 सिटी कोऑर्डिनेटर बनाए गए हैं। इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वॉयड, ऑब्जर्वर, और ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। पुलिस का जाब्ता हर केंद्र पर तैनात रहेगा और खुफिया एजेंसियों के इनपुट पर भी तुरंत कार्रवाई की जाएगी। एग्जाम से एक दिन पहले और एग्जाम के दिन यातायात का दबाव देखते हुए एक्स्ट्रा बसों का संचालन किया जाएगा। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत, एडीएम (सिटी) भावना शर्मा, सीएमएचओ डॉ. अशोक महरिया, डीटीओ ताराचंद बंजारा सहित शिक्षा और आईटी विभाग के आला अधिकारी मौजूद रहें।

गोठड़ा मामले में ग्रामीणों का विरोध, कलेक्ट्रेट पर बैरिकेड हटाने को लेकर उठे सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं जिले के गोठड़ा थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ के रूप में गांजे के हरे पौधों की जप्ती की कार्रवाई के बाद अब इस पूरे मामले पर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा नेता शुभकरण चौधरी के नेतृत्व में टोंक छिलरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। ग्रामीणों का कहना है कि जिन पौधों को गांजा बताकर जप्त किया गया, वे वर्षों से गांव में घास की तरह उग रहे हैं और उनकी कोई खेती नहीं की जाती, यहां तक कि रास्तों और श्मशान भूमि पर भी ये पौधे मौजूद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने गलत तरीके से

एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। इस दौरान कलेक्ट्रेट गेट पर पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को हटाए जाने को लेकर भी चर्चाएं रहीं, क्योंकि आमतौर पर ऐसे मौकों पर भीड़ को रोका जाता है, लेकिन इस बार बड़ी संख्या में लोग एसपी कार्यालय तक पहुंच गए। मामले में एसपी स्तर पर जांच के बाद ही सच्चाई सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।

बुद्ध पूर्णिमा पर लोहार्गल धाम में गूंजेगी भक्ति की स्वर लहरियां, संत खेतादास जी महाराज का गुरु पर्व महोत्सव भव्य रूप से आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । लोहार्गल धाम, जो अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों में स्थित एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है, वहां इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर तपोनिष्ठ संत श्री श्री 1008 श्री खेतादास जी महाराज का गुरु पर्व महोत्सव अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। यह आयोजन महंत रामचरण दास जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा।

स्वामी खेतादास समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार गहनोलिया एवं कार्यालय सचिव हनुमान प्रसाद खटनावलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दो दिवसीय धार्मिक आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को भक्तों के लिए विशेष रूप से आकर्षक और आध्यात्मिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार रहेगी। हनुमान प्रसाद खटनावलिया ने बताया कि प्रथम दिवस 30 अप्रैल को संध्या समय भव्य आरती का आयोजन,श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारा रात्रि में भक्ति एवं ज्ञान से ओत-प्रोत सत्संग कार्यक्रम होंगे। 1 मई प्रातःकाल महा आरती का आयोजन महासभा की विशेष बैठक

नई कार्यकारिणी का गठन होगा

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गुरु पर्व महोत्सव में दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस पावन अवसर पर धार्मिक वातावरण में भक्ति, सेवा और सत्संग का अनूठा संगम देखने को मिलेगा, जो श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत बनेगा।

टोहाना सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सादीराम हुए सेवानिवृत्त, सम्मान समारोह में दी गई भावभीनी विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना सदर पुलिस थाना के प्रभारी एवं एसएचओ इंस्पेक्टर सादीराम लंबे और उल्लेखनीय पुलिस सेवा काल के बाद आज विधिवत रूप से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर पुलिस विभाग, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और उनके मित्रों द्वारा उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।सेवानिवृत्ति समारोह के दौरान जिला फतेहाबाद की पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर (आईपीएस) ने अपने कार्यालय में इंस्पेक्टर सादीराम को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया। उन्होंने खड़े होकर उनका अभिनंदन किया और उनके उत्कृष्ट कार्यों एवं अनुकरणीय सेवाओं की सराहना की। एसपी खट्टर ने कहा कि सादीराम जैसे समर्पित अधिकारी पुलिस विभाग की पहचान होते हैं और उनकी सेवाएं सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगी। जानकारी के अनुसार, इंस्पेक्टर सादीराम ने अपने लगभग 30 वर्षों के सेवाकाल में जिला फतेहाबाद के लगभग सभी पुलिस थानों में बतौर एसएचओ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। वे जिले के पहले ऐसे अधिकारी बने हैं जिन्होंने हर थाने में अपनी

कार्यशैली और नेतृत्व से सफलता का परचम लहराया। इस अवसर पर टोहाना के डीएसपी जयभगवान ने भी उन्हें सम्मानित करते हुए उनके दीर्घकालीन सेवाकाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सादीराम ने अपने कार्यकाल में कानून व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ जनता के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखे। शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, बार एसोसिएशन टोहाना एवं जिले भर के अधिवक्ताओं ने भी इस मौके पर उन्हें सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि इंस्पेक्टर सादीराम का विनम्र स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा और सरल व्यक्तित्व उन्हें एक आदर्श

पुलिस अधिकारी बनाता है। उनकी कार्यशैली और सेवा भावना को हमेशा याद किया जाएगा। अपने विदाई संबोधन में इंस्पेक्टर सादीराम ने जिले के अधिकारियों, सहकर्मियों, मित्रों और आमजन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें सभी का भरपूर सहयोग मिला, जिसके लिए वे सदैव आभारी रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि उनसे जाने-अनजाने में कोई भूल हुई हो तो उसे क्षमा किया जाए। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा उनके योगदान को हमेशा याद रखने की बात कही।

ग्राम रथ अभियान के तहत आज विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेगा प्रचार रथ

30 अप्रैल को इन स्थानों पहुंचेगा प्रचार रथ

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले में चलाए जा रहे 'ग्राम रथ अभियान' के माध्यम से जन-जन तक संदेश पहुँचाने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में कल, 30 अप्रैल को जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के दर्जनों गाँवों में प्रचार रथ पहुँचेगा और ग्रामीणों को अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराएगा।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि गुरुवार को झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के बासनानग, अजाड़ी कला व बिशनपुरा में, सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लोटिया, धींगड़िया, जाखोद, बेरला में, मंडावा विधानसभा क्षेत्र के भारू, सीरियासर कला, दुराना व भीमसर में, उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्र के छावसरी, भाटीवाड़, बासबिसना व केड में, खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के दलौता, दूधवा नांगलिया, गौरीर व टीबा में, पिलानी विधानसभा क्षेत्र के लांबा गोठड़ा, अलीपुर, नारनोद मालीगांव, खुडाना में वहीं नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कसेरू, सोटवारा, डुमरा व कुमावास में ग्राम रथ अभियान के तहत प्रचार प्रसार किया जाएगा ।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई साप्ताहिक समीक्षा बैठक

विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर दिए दिशा निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान जिला कलेक्टर ने जिले में विधानसभा वार चल रहे 15 दिवसीय ग्राम रथ अभियान के संबंध में सभी सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए ओर अधिक से अधिक लोगों की जनभागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। जिला कलेक्टर ने चिकित्सा विभाग के एचपीवी वैक्सीन के लिए भी लोगों को जागरूक करने की बात कही। बैठक में जिला कलेक्टर ने पेयजल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति, जनगणना की तैयारी, संपर्क पोर्टल जैसे महत्वपूर्ण विषयों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडावा थाना बना पक्षी सेवा का केंद्रः भीषण गर्मी में परिंदे लगाकर बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । भीषण गर्मी के चलते जहां इंसान ही नहीं बल्कि बेजुबान पक्षी भी पानी की कमी से जूझ रहे हैं, ऐसे में मंडावा थाना परिसर में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। थाना परिसर में पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था हेतु परिंदे बांधकर सेवा अभियान की शुरुआत की गई। यह पहल मंडावा थानाधिकारी राम नारायण चोयल के नेतृत्व में पर्यावरण प्रेमी एवं पक्षी मित्र संजय शर्मा तथा हिंदुस्तान स्काउट गाइड के प्रभारी प्रदीप इसरवाल

के सानिध्य में संपन्न हुई। इस दौरान थाना परिसर में विभिन्न स्थानों पर परिंदे लगाए गए, जिनमें नियमित रूप से पानी और दाना भरने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। थानाधिकारी राम नारायण चोयल ने इस अवसर पर कहा कि भीषण गर्मी में पक्षियों की सेवा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि यदि हम छोटे-छोटे प्रयास करें, तो प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। पक्षियों को दाना-पानी देना न केवल सेवा का कार्य है, बल्कि इससे मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे पवित्र कार्य करने से व्यक्ति के भीतर संवेदनशीलता बढ़ती है और समाज में भी एक अच्छा संदेश जाता है। भगवान भी ऐसे नेक कार्यों से प्रसन्न होकर व्यक्ति को और अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। इस मौके पर थाना स्टाफ ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और सभी ने मिलकर परिंदों में नियमित रूप से पानी भरने और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। इस पहल ने न केवल थाना परिसर को सेवा और संवेदना का केंद्र बनाया, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह अभियान दर्शाता है कि यदि हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ी सी जिम्मेदारी निभाए, तो बेजुबान जीवों के लिए जीवन आसान बनाया जा सकता है।

लीडर बनोगे या पोजीशन होल्डर?

अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है।

आईआईएम कोझिकोड के निदेशक देबाशीष चटर्जी ने अपनी हालिया किताब 'द अदर 99' में लीडरशिप के जटिल मुद्दों को उठाया है। एक लीडर और एक पोजिशन होल्डर के बीच के अंतर पर यह किताब खास जोर देती है। किताब कहती है कि अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है। इस भूमिका में एक नेता जीवन को वह लौटा रहा होता है, जो उसे जीवन से मिला है। अपने योगदान से वह अपने साथ के लोगों को विकसित करने और उन्हें अपना प्रकाश ढूंढ़ने के लिए प्रेरित करता है। पोजिशन होल्डर की तुलना में एक लीडर का काम स्व-सेवा के दायरे से निकल कर बड़े स्तर पर काम को प्रभावित करना होता है। अक्सर हम अपनी ऊर्जा काम की जगह काम के बारे में बोलने में खर्च करते हैं। आईबीएम के सीईओ लो गर्स्टनम ने कहा है, मैं हरेक काम को बिना बोले अंजाम देने में यकीन रखता हूं। जब काम सब कुछ कह रहा हो, तो बोलकर उसमें बाधा डालने की जरूरत क्या है? जब काम कर रहे हों, तो पूरा ध्यान काम पर ही लगाएं। जैसे, जब आप चल रहे हों, तब केवल चलें और अपने पैरों का सतह के साथ संपर्क अनुभव करें। आपको अपने पैर ऊर्जा के केंद्र प्रतीत होंगे। अन्य कार्यों में भी ऐसा करके आप अपने कामों को गति दे सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा तरीका निःस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना है। हारवर्ड के एक शोध के अनुसार जो लोग बिना किसी लोभ के दूसरों की मदद करते हैं, उनमें ऊर्जा का स्तर अधिक होता है। दूसरों की मदद करके हम अपनी सीमाओं में विस्तार कर पाते हैं। कार्यों में गैर जरूरी और बेतरतीब कामों को नोट करके रखें। काम के दौरान गॉसिपिंग एक ऐसा ही कार्य है, जिससे काम में भी कोई मदद नहीं मिलती और मूर्खतापूर्ण बातों में समय और ऊर्जा भी व्यर्थ होते हैं। अपनी ऊर्जा को गैर-जरूरी कामों से निकाल कर जरूरी कामों में निवेश करें। कब विराम लगाना है, यह जानना भी जरूरी है। एक सीमा के बाद कार्य पर से ध्यान हटाना भी जरूरी होता है, क्योंकि हरेक चीज की अपनी रफ्तार होती है, जिस पर आपका नियंत्रण नहीं होता। आपका अतिरिक्त प्रयास उसमें गति नहीं देता। जैसे दफ्तर के लिए बस में बैठने के बाद बार-बार ड्राइवर को ऑफिस पहुंचने का निर्देश देना जरूरी नहीं होता।

पूंजी-बाजार की पकड़ देगी अच्छा रिटर्न

बीएफएसआई यानी बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस, ऐसा सेक्टर है जो गतिशील होने के साथ-साथ विविधता भरा है। यहां सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, एमबीए, एमएफआई/आईआरडीए जैसे सर्टीफिकेटधारियों की अच्छी मांग तो है ही, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल प्लानिंग या सीएफपी वालों को भी खासी वरीयता दी जा रही है। रिसर्च में भी अवसरों की कमी नहीं है।

बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में आए सुधार ने इन क्षेत्रों के जानकारों की मांग बढ़ा दी है। यही नहीं, बैंकिंग कंपनियों के आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट्स की तेजी ने आईटी कंपनियों में भी वित्तीय समझ रखने वाले प्रोफेशनल्स की उपस्थिति को अनिवार्य बना दिया है। आईटी और एफएमसीजी की ओर रुख कर रहे छात्र एक बार फिर बीएफएसआई में कैरियर की अच्छी संभावनाएं देखने लगे हैं। बीएफएसआई क्षेत्र में मौजूद व्यापक संभावनाओं को इस बात से समझा जा सकता है कि फिलहाल देश के 40 प्रतिशत लोग ही बैंकिंग सुविधाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। छह लाख से अधिक गांव ऐसे हैं, जहां बैंक अभी तक नहीं पहुंचे हैं और कुल 38 प्रतिशत बैंक शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही हैं। बैंक और वित्त मामलों के जानकार वीके सूरी के अनुसार 'इसमें दोराय नहीं कि बैंकिंग, वित्त और इंश्योरेंस सुविधाओं में हो रहे विस्तार से ग्रामीण क्षेत्र बहुत दिनों तक अछूते नहीं रहेंगे। दिनोंदिन फैल रहा इनका नेटवर्क टॉप बी-स्कूलों के प्रोफेशनल्स के साथ वित्तीय मामलों की समझ रखने वाले सामान्य कॉमर्स ग्रेजुएट्स और आईआरडीए/एएमएफआई सर्टीफिकेट कोर्स करने वालों युवाओं के लिए भी नौकरियों के अवसर उत्पन्न करेगा। बीएफएसआई एक गतिशील क्षेत्र है। यहां सभी स्तर पर रोजगार के अवसर हैं, बशर्ते आप इंडस्ट्री में आ रहे बदलावों से खुद को अपडेट रखें। एक पेड़ जितना बाहर से बड़ा और मजबूत होता है, उतनी ही उसकी जड़ें भीतर भी फैली होती हैं। इसी कारण इस क्षेत्र में पैठ बनाने के लिए फ्रेशर्स को प्रारंभ में पैसे से अधिक अनुभव और जानकारी अर्जित करने पर फोकस रखना चाहिए।

हायरिंग ट्रेंड्स

बीएफएसआई एक सदाबहार क्षेत्र है, जिनके जानकारों की मांग सभी क्षेत्रों में होती है। इस इंडस्ट्री में काम करने वालों के लिए इतने अधिक अवसरों की उपलब्धता इससे पहले कभी नहीं रही। जॉब मार्केट में भी लचीलापन है और सभी स्तरों पर रोजगार के अवसर हैं। एक अनुमान के अनुसार इस वित्त वर्ष में बीएफएसआई में लगभग 65 हजार से अधिक नई नौकरियों के अवसर उत्पन्न होंगे।

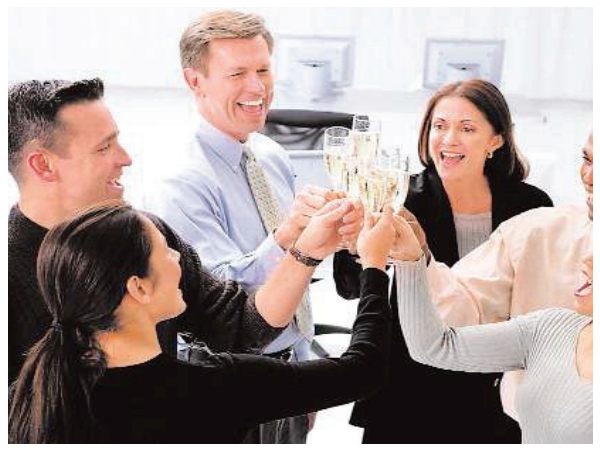

खुद को करें तैयार

सूचना तकनीक की भूमिका बढ़ने से बैंकिंग क्षेत्र में ढांचागत परिवर्तन हो रहे हैं। ग्लोबल बैंकिंग के क्षेत्र में हो रहे विस्तार तथा इंटरनेशनल ट्रेड में बढ़ती भागीदारी इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की मांग को बढ़ाएगी। रवि राव कहते हैं, 'भारतीय निर्यात यदि 15 प्रतिशत की सालाना दर से भी बढ़ता है तो विदेशी विनिमय से जुड़े कारोबार में प्रोफेशनल्स की मांग बड़े स्तर पर होगी।' क्रेडिट सेवाओं का दायरा भी लगातार मजबूत हो रहा है। विभिन्न फाइनेंशियल कंपनियां इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड निवेश की योजनाएं पेश कर रही हैं। ब्रोकरेज व कंसल्टिंग फर्मों में पोर्टफोलियो मैनेजरों की मांग और बढ़ेगी।

इन स्किल्स की दरकार

बीएफएसआई, आर्थिक लेन-देन और हिसाब-किताब से जुड़ा क्षेत्र है, इसी कारण यह संवेदनशील भी है। कैरियर काउंसलर के अनुसार 'निवेश सलाह देने वाली कंपनियां बाजार में तेजी से बढ़ रही हैं। इस क्षेत्र में काम करने वालों के लिए वित्त मामलों की समझ होना जरूरी है। लोगों की जरूरत को समझकर उनकी निवेश पूंजी में वृद्धि करने का गुण उम्मीदवार में अवश्य होना चाहिए। इसलिए कॉमर्स ग्रेजुएट्स या पोस्ट ग्रेजुएट्स, बैंकिंग और फाइनेंस में एमबीए, साथ ही एएमएफआई/आईआरडीए जैसा सर्टीफिकेशंस रखने वालों की खासी मांग रहती है।

वर्कप्लेस पर बोलें जरा संभलकर

सहकर्मियों और बॉस को अपना मुरीद बनाना चाहते हैं तो विषय के साथ प्रभावी बातचीत करने के गुर सीखने पर भी जोर दें। वर्कप्लेस पर आपकी बातचीत तनाव का कारण न बने, इसके लिए समय, स्थान और व्यक्ति को ध्यान रखना जरूरी होता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 'चलता है' एटीट्यूड महंगा पड़ता है।

नितिन एक सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, उन्हें नौकरी करते हुए अभी डेढ़ साल ही बीता है। इस दौरान वे चार प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर अलग-अलग टीमों के साथ काम कर चुके हैं। इस वर्ष उन्हें प्रमोशन भी मिली, साथ में अच्छी परफॉरमेंस के कारण कंपनी ने उन्हें बेस्ट एंप्लॉई की सूची में रखते हुए दो बड़े मॉल्स से पांच-पांच हजार की शॉपिंग के गिफ्ट वाउचर भी दिए। नितिन की इस तरक्की में उनकी तकनीकी समझ के साथ अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स की भी खासी भूमिका रही है। नितिन कहते हैं, 'मेरे अप्रेजल फॉर्म में सीनियर बॉस ने फीडबैक में लिखा कि मैं सीनियर्स व टीम के सदस्यों के साथ शालीनता से पेश आता हूं। नए काम के बारे में मेरी सोच सकारात्मक होती है और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स के कारण मुझे दूसरे सेंटर्स पर भी क्लाइंट्स से बातचीत के लिए भेजा जा सकता है।' एस्पायर ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट के ईवीपी आलोक जैन कहते हैं, 'वर्कप्लेस पर उम्मीदवार की प्रभावी बातचीत का ढंग दूसरे कर्मचारियों में उम्मीदवार की अच्छी साख बनाता है। स्किल्स से आशय है कि आप दूसरे पक्ष तक बिना किसी उलझन के अपनी बात सही रूप में पहुंचाएं। नियम है कि जैसी आपकी बात होती है, वैसी ही आपको प्रतिक्रिया मिलेगी।' पर्सनैलिटी एन्हैंसर रीता गंगवानी कहती हैं, 'वर्कप्लेस पर प्रभावी कम्युनिकेशन के दो सूत्र हैं। पहला, अपनी बात बोलने के साथ दूसरों की बात को सही ढंग से सुनें। बात को समझने के बाद ही कोई प्रतिक्रिया दें। दूसरा, बात करते समय सही स्थान और समय का ध्यान रखें। कौन सी बात सहकर्मियों के समक्ष बोलनी है, मीटिंग में किस बात को कैसे रखना है आदि। खुले में सीनियर की बात पर कैसी प्रतिक्रिया देनी है, इसे ध्यान रखना जरूरी है। सीनियर की गलत बात पर तुरंत नकारात्मक प्रतिक्रिया न दें। अपनी बात सुझावात्मक ढंग से रखें। यदि बॉस आपसे बहुत खुल कर बातचीत करते हैं तो भी आप अपनी सीमाओं में रहें।' कैरियर काउंसलर जितिन कहते हैं, 'विभाग और टीम के सदस्यों के साथ इंटर्नल तथा कस्टमर और क्लाइंट के साथ एक्सटर्नल कम्युनिकेशन दोनों ही मायने रखते हैं। आईटी, बीपीओ, रिटेल या टूरिज्म जैसे सेवा क्षेत्रों में इंग्लिश कम्युनिकेशन की एक खास भूमिका होती है। आमतौर पर तकनीकी पृष्ठभूमि से जुड़े युवा और शैक्षिक संस्थानों में कम्युनिकेशन पहलू पर महत्व नहीं देते, जो अंततः उम्मीदवार की रोजगार योग्यता को कम कर देता है। यह एक ऐसी जरूरत है, जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। सीनियर के साथ एसएमएस या ई-मेल से बात करते समय अपने लिखे हुए को अच्छी तरह अवश्य पढ़ लेना चाहिए। स्पैलिंग और ग्रामर के साथ अपनी शैली पर भी ध्यान दें।'

हर स्तर पर काम आती है कम्युनिकेशन स्किल

जॉब मार्केट में उतरते ही प्रोफेशनल व्यवहार और बातचीत का ध्यान रखना जरूरी होता है। रिज्यूम और इंटरव्यू में तो रिक्रूटर्स उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल्स को परखते ही हैं, काम के दौरान भी कम्युनिकेशन स्किल काफी मायने रखती है। रिज्यूम और इंटरव्यू के दौरान विनम्र और सकारात्मक रुख से बात करें। सीनियर स्तर पर अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है। ई-मेल से कम्युनिकेट करते समय उसकी ड्राफ्टिंग कंपनी की कार्य संस्कृति ध्यान में रखकर करें, जैसे वरिष्ठ को नाम से संबोधित कर सकते हैं या नहीं, आदरसूचक शब्दों के तौर पर वहां क्या इस्तेमाल करते हैं आदि। अक्सर फ्रेशर्स सीधे ही बात लिख देते हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है। बॉस के स्वभाव को ध्यान में रखें। कर्मचारियों की लेखन क्षमता जानने के लिए कंपनियां शुरुआत में उनकी रुचियों या संस्थान को ज्वॉइन करने के उद्देश्य के संबंध में लिखित में नोट लेती हैं, जिससे उम्मीदवारों की वॉकेबुलरी, वाक्य संरचना और संक्षेप में बात प्रस्तुत करने की योग्यता का पता लगाना आसान हो जाता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में चलता है नहीं चलता।

जनगणना-2027: जनगणना के प्रथम चरण में 1 मई से 14 जून तक होगा मकान सूचीकरण का कार्य

जिला कलक्टर ने आमजन से किया स्वगणना कार्य में सहयोग का आह्वान

झुंझुनू जिला कलेक्टर की अपीलः आगामी जनगणना के लिए 'सेल्फ-एन्युमरेशन' पोर्टल का लाभ उठाएं

स्वगणना चरण के तहत 1 मई से 15 मई तक नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं दर्ज कर सकेंगे अपनी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राज्य में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत 1 मई से 14 जून 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जायेगा। इससे पूर्व 1 मई से 15 मई तक स्वगणना चरण संचालित किया जायेगा, जिसके अंतर्गत नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जिले के प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने आमजन से इस कार्य में सक्रिय सहयोग का आह्वान किया है। जिला कलेक्टर ने कहा कि जनगणना राष्ट्र की एक महत्वपूर्ण एवं व्यापक प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक से संबंधित सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय जानकारी एकत्रित की जाती है। इन आंकड़ों के आधार पर केन्द्र एवं राज्य सरकारें विकास योजनाओं, आधारभूत सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करती हैं।

स्व-गणना (सेल्फ-एन्युमरेशन) की सुविधाः

जनगणना के पहले चरण के रूप में, 1 मई से 15 मई तक नागरिकों के लिए 'सेल्फ-एन्युमरेशन' (स्व-गणना) की व्यवस्था की गई है। जिसके तहत आम नागरिक आधिकारिक वेबसाइट se.census.gov.in पर जाकर एक सरल फॉर्म भर सकते हैं। वेबसाइट पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में ट्यूटोरियल उपलब्ध हैं, जो प्रक्रिया को समझने में मदद करेंगे। इस बार नागरिक गूगल लोकेशन के माध्यम से अपने घर को ट्रैक और मार्क कर सकते हैं, जिससे डेटा की सटीकता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि 15 मई के बाद, अधिकृत प्रगणक (Enumerators) घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। कलेक्टर ने सभी से अनुरोध किया है कि वे प्रगणकों का पहचान पत्र देख कर उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान करें और सही जानकारी साझा करें। जनगणना के दौरान एकत्रित सभी जानकारी पूर्णतः सुरक्षित एवं गोपनीय रखी जायेगी। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि 2021 में कोविड-19 महामारी के कारण जनगणना में देरी हुई थी, इसलिए अब इसे सुव्यवस्थित तरीके से पूरा करना हम सभी का नैतिक और कानूनी दायित्व है।

'बेहतर योजना के लिए सटीक डेटा की आवश्यकता होती है। झुंझुनू के सभी निवासियों से मेरा आग्रह है कि वे इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में भाग लें और देश के भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दें।'

डॉ अरुण गर्ग, जिला कलेक्टर, झुंझुनू

युवा केवल भविष्य नहीं, वर्तमान का भी निर्माता है: अभिषेक कौशिक

अभिषेक कौशिक ने 'उड़ान' कार्यक्रम में छात्रों को दिया नेतृत्व और नवाचार का मंत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.नई दिल्ली/नीमराना।

रमेशचंद । राजस्थान के मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के गाँव गादूवास निवासी सामाजिक कार्यकर्ता एवं राज्य युवा विधायक दल के सदस्य अभिषेक कौशिक ने बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज में आयोजित 'उड़ान' वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। यह कार्यक्रम कनेक्ट ड्रीम्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।कार्यक्रम के विशेष सत्र 'यूथ लीडरशिप एवं एजुकेशन मीटः फ्यूचर बिल्डर्स' को संबोधित करते हुए अभिषेक कौशिक ने युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज का युवा केवल भविष्य की उम्मीद नहीं, बल्कि वर्तमान का सक्रिय और सशक्त निर्माता भी है। बदलते समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि नेतृत्व क्षमता, नवाचार की सोच और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और निरंतर मेहनत के साथ उन्हें हासिल करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने खुलकर अपने सवाल रखे। अभिषेक कौशिक ने करियर चयन, नेतृत्व विकास और समाज सेवा से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि हर युवा को अपनी क्षमता और रुचि को पहचानना चाहिए और उसी दिशा में कार्य करना चाहिए। साथ ही युवाओं को समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने और सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। अभिषेक कौशिक ने अपने संबोधन में नवाचार के महत्व पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आज के दौर में नई सोच ही सफलता की कुंजी है। युवाओं को समस्याओं का समाधान खोजने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाना भी है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए उन्होंने कनेक्ट ड्रीम्स फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच युवाओं को अपनी प्रतिभा और विचारों को प्रस्तुत करने का बेहतरीन अवसर प्रदान करते हैं। अंत में उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें, अपने सपनों को लक्ष्य में बदलें और देश निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।कार्यक्रम उत्साह और प्रेरणा के माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें युवाओं ने नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

नगर पालिका सूरजगढ़ और सिंघाना में पानी की किल्लत दूर करने के लिए 8 नए ट्यूबवेल बनेंगे: विधायक श्रवण कुमार

पानी की किल्लत दूर करने के लिए सूरजगढ़ के लोकप्रिय विधायक श्रवण कुमार कर रहे है लगातार प्रयास।

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

विधानसभा क्षेत्र सूरजगढ़ में गहराते जल संकट के स्थायी समाधान के लिए विधायक श्रवण कुमार ने प्रशासनिक स्तर पर प्रयास तेज कर दिए हैं। विधायक ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को सूरजगढ़ और सिंघाना नगर पालिका के विभिन्न वार्डों में 8 नए ट्यूबवेल स्वीकृत करने कीअनुशंसा की है। नगर कांग्रेस कमेटी सूरजगढ़ अध्यक्ष रामसिंह चैतीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि गर्मी के तेज मौसम में पेयजल की आपूर्ति करने हेतु सूरजगढ़ के जनप्रिय विधायक श्रवण कुमार ने नगर पालिका क्षेत्र सूरजगढ़ एवं सिंघाना के लिए विभिन्न स्थानों पर नई ट्यूबवेल बनाने का प्रस्ताव भेजे है जिसमें सूरजगढ़ नगर पालिका के वार्ड नंबर 1, 2, 7, 10, 22 और 17 एवं सिंघाना नगर पालिका के वाल्मीकि मोहल्ला एवं बड़ा मोहल्ला में पानी की समस्या के समाधान के लिए विशेष रूप से ट्यूबवेल निर्माण की मांग रखी गई है।

मुख्यालय से मिली हरी झंडी

सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार की अनुशंसा पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्य अभियंता शहरी एवं एनआरडब्ल्यू ,जयपुर ने अधीक्षण अभियंता ,झुंझुनूं को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग को निर्देशित किया गया है कि वे इन सभी चिन्हित स्थानों पर तकनीकी संभावनाओं की जांच कर जल्द से जल्द औपचारिक प्रस्ताव बनाकर भेजें ताकि कार्य को गति दी जा सके।

आमजन को मिलेगी राहत

स्थानीय लोगो और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि सूरजगढ़ के 6 वार्डों और सिंघाना के दो प्रमुख मोहल्लों में नए ट्यूबवेल बनने से क्षेत्र की आधी से ज्यादा आबादी को सुचारू पेयजल मुहैया हो सकेगा सकेगा।

खारिया में भूजल संरक्षण को लेकर बड़ी पहल: ग्राम जल ग्रहण समिति का गठन, प्रशिक्षण के साथ जागरूकता अभियान शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान, चिड़ावा द्वारा अलसीसर पंचायत समिति के ग्राम खारिया में नाबार्ड, संस्थान एंव ग्रामीणजन के सहयोग से संचालित होने वाली परियोजना भागीदारी आधारित सतत भूजल प्रबंधन के लिए ग्राम जल ग्रहण समिति खारिया का गठन किया गया। इस अवसर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं समिति सदस्यों को परियोजना के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि किस प्रकार सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से भूजल संरक्षण, जल प्रबंधन एवं प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। संस्थान के परियोजना प्रबंधक भूपेंद्र पालीवाल ने जल एवं ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए समिति को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। वहीं संस्थान के जल संसाधन एंव ग्रामीण विकास समन्वयक संजय शर्मा ने कृषि एवं जल प्रबंधन के समन्वय पर अपने विचार रखे तथा कृषि एंव वानिकी समन्वयक शुवेंद्र भट्ट ने वानिकी एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाया। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच सुमन देवी, सुरेश कुमार,मनोहर, अनिता, पवन, उम्मेद, सुभाष, विजय, अजीत, सुमन सहित अन्य गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने सामूहिक प्रयासों से गांव के जल संसाधनों के संरक्षण और विकास पर जोर दिया। अंत में ग्राम जल ग्रहण समिति का विधिवत गठन किया गया तथा समिति के पदाधिकारियों का चयन कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य गांव में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं सतत विकास की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

विधायक राजेंद्र मीणा ने खोली सौगातों की पोटली, 1.65 करोड़ की सड़कों का किया श्रीगणेश

तालचिड़ी, पलानहेड़ा, ढण्ड और नाहिडा में सीसी सड़कों का किया भव्य लोकार्पण व शिलान्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है।' इसी जज्बे के साथ महवा विधानसभा क्षेत्र में विकास के पहिए को गति देते हुए विधायक राजेंद्र मीणा ने बुधवार को ग्रामीण अंचलों में सौगातों की झड़ी लगा दी। क्षेत्र की सूरत बदलने के अपने संकल्प को दोहराते हुए विधायक ने सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत करीब एक करोड़ 65 लाख रुपए की विभिन्न सीसी सड़कों का ग्रामीणों और पंच-पटेलों की मौजूदगी में भव्य उद्घाटन व शिलान्यास किया। ढोल-नगाड़ों और 'राम-राम सा' की गूंज के बीच विधायक ने स्पष्ट किया कि महुवा की माटी के विकास के लिए सरकारी खजाने के दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे और धन की कमी को कभी आड़े नहीं आने दिया जाएगा। विधानसभा क्षेत्र के पलानहेड़ा, तालचिड़ी, ढण्ड और नाहिडा पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों में विधायक का ग्रामीणों ने पलक-पावड़े बिछाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का आगाज पलानहेड़ा से हुआ, जहां MDR-63 से आबादी क्षेत्र तक 35 लाख रुपए की लागत से बनी चमचमाती सीसी सड़क का शिलान्यास कर विधायक ने जनता को समर्पित किया। इसके बाद विकास का यह काफिला नाहिडा पहुंचा, जहां 40 लाख रुपए की सड़क का शिलान्यास हुआ। वहीं ढण्ड ग्राम में भी 40 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सड़क की नींव रखी गई। अंत में तालचिड़ी ग्राम पंचायत में 50 लाख रुपए की भारी-भरकम राशि से निर्मित सीसी सड़क का लोकार्पण कर विधायक ने ग्रामीणों की वर्षों पुरानी राह सुगम कर दी। इस मौके पर चौपालों को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र मीणा ने ठेठ ग्रामीण अंदाज में कहा कि 'गांव सुखी तो देश सुखी ', यह सड़कें केवल कंक्रीट का ढांचा नहीं बल्कि ग्रामीण विकास की जीवन रेखा हैं। उन्होंने कहा कि मेरा पहला और अंतिम लक्ष्य जन-जन की सेवा और क्षेत्र का चहुंमुखी विकास है। 'सांच को आंच नहीं' की तर्ज पर विधायक ने विश्वास दिलाया कि हर ढाणी और हर मजरे तक पक्की सड़क पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों का जोश देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे, जिन्होंने विधायक के इस कदम को क्षेत्र की प्रगति के लिए मील का पत्थर बताया।

खेत में मिला अज्ञात शवः इलाके में फैली सनसनी, बालाहेड़ी पुलिस जुटी शिनाख्त में

पीपलखेड़ा में मिला करीब 40 वर्षीय व्यक्ति का शव, पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, शिनाख्त के प्रयास तेज

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र के पीपलखेड़ा गांव में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों ने खेत में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा देखा। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खेतों में शव मिलने की खबर आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर बालाहेड़ी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को महवा जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर मृतक की पहचान की कोशिशें शुरू कर दी हैं। बालाहेड़ी थाने के एएसआई जगपाल सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। ग्रामीणों से पूछताछ में यह बात सामने आई है कि उक्त व्यक्ति बीते मंगलवार को इलाके में लावारिस हालत में घूम रहा था, जो मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा था। पुलिस ने शिनाख्त के लिए हुलिए के आधार पर आसपास के सभी थानों को सूचना भिजवा दी है। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगा। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है और सोशल मीडिया के जरिए भी मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को इस व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

मास्टरस्ट्रोक ऐप में 'सेंधमारी' कर करोड़ों डकारने वाले दो शातिर दबोचे:

एशियन पेंट्स के रिवॉर्ड प्रोग्राम में तकनीकी हेरफेर कर लगाई 1.72 करोड़ की चपत।

बिना पेंट खरीदे ही क्यूआर कोड का लगाया 'जुगाड़', साइबर थाना पुलिस ने डीडवाना के दो सगे संबंधियों को किया गिरफ्तार, मोबाइल जब्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । साइबर अपराधियों ने अब नामी कंपनियों के डिजिटल सुरक्षा तंत्र में सेंध लगाना शुरू कर दिया है। जिला साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एशियन पेंट्स कंपनी के 'मास्टरस्ट्रोक' ऐप के साथ धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपये डकारने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपियों ने बिना कोई उत्पाद खरीदे ही तकनीक का सहारा लेकर कंपनी को करीब 1 करोड़ 72 लाख 86 हजार रुपये का भारी-भरकम वित्तीय फटका लगा दिया। मामले का खुलासा करते हुए साइबर थानाधिकारी बृजेश कुमार मीना ने बताया कि एशियन पेंट्स लिमिटेड के एसोसिएट जनरल मैनेजर स्नेहम्बर सिंह ने अगस्त माह में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कंपनी के पेंटर्स रिवॉर्ड प्रोग्राम में तकनीकी हेरफेर कर आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है। कंपनी द्वारा पेंटर्स को उत्पाद खरीद पर दिए जाने वाले 12 से 15 अंकों के क्यूआर कोड का आरोपियों ने 'ट्रायल एंड एरर' पद्धति से अनुमान लगाया और फर्जी तरीके से कोड जनरेट कर रिवॉर्ड राशि अपने खातों में ट्रांसफर कर ली।

इस हाईटेक ठगी के खुलासे के लिए पुलिस उपाधीक्षक बृजेश कुमार मीना के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने एनपीसीआई और विभिन्न बैंकों से संदिग्ध यूपीआई आईडी का रिकॉर्ड खंगाला। डेटा माइनिंग और ट्रांजेक्शन पैटर्न के सूक्ष्म विश्लेषण के बाद पुलिस की रडार पर लालसोट क्षेत्र के डीडवाना गांव के दो युवक आए। पुलिस ने जाल बिछाकर ढाबा की ढाणी निवासी 30 वर्षीय विष्णु सैनी पुत्र घनश्याम सैनी और 24 वर्षीय अनिल कुमार सैनी पुत्र महेश कुमार सैनी को डिटेन किया, जिन्होंने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं और फिलहाल दोनों आरोपी पुलिस अभिरक्षा में हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस खेल में इनके साथ और कौन-कौन से साथी शामिल थे और ठगी की इस राशि का निवेश कहां किया गया है। कानून के जानकारों की मानें तो आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 और आईटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। सरेराह चर्चा है कि ग्रामीण परिवेश के इन युवाओं ने जिस शातिर अंदाज में नेशनल लेवल की कंपनी के सॉफ्टवेयर को चकमा दिया, उसने साइबर सुरक्षा के दावों की पोल खोलकर रख दी है।

रसीदपुर पुलिस चौकी से 200 मीटर दूर दंपत्ति पर जानलेवा हमला, महिला की नाक तोड़ी, कपड़े फाड़े

लोहे के कड़े से प्रहार कर महिला को किया लहुलुहान, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर

मनोज खंडेलवाल । मंडावर थाना क्षेत्र के रसीदपुर में कानून के इकबाल को चुनौती देते हुए बदमाशों ने रसीदपुर पुलिस चौकी से महज 200 मीटर की दूरी पर एक दंपत्ति पर जानलेवा हमला कर सनसनी फैला दी। रंजिश की आग में अंधे हुए हमलावरों ने न केवल सरेराह दंपत्ति को घेरा, बल्कि मर्यादाओं को तार-तार करते हुए महिला के साथ अभद्रता कर उसके कपड़े तक फाड़ डाले। इस हमले में हमलावर ने महिला की नाक पर लोहे के कड़े से इतना जोरदार प्रहार किया कि उसकी नाक की हड्डी टूट गई और वह खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़ी। मंडावर थाना क्षेत्र निवासी पीडित ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि जब वह अपनी पत्नी के साथ बाइक से महवा की ओर जा रहा था, तभी रसीदपुर गांव के रवि पुत्र केदार बैरवा ने उन्हें रास्ते में रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते आरोपी रवि ने अपने साथी रवि पुत्र रेशम के साथ मिलकर उन पर हमला बोल दिया और धारदार कड़े से हमला कर पीडीत की पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच-बचाव करने आए पीडित को भी आरोपियों ने बेरहमी से पीटा और सरेराह बेअदबी की हदें पार कर दीं।

घटना के बाद लहूलुहान दंपत्ति को तत्काल महवा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। इधर, घटना को लेकर ग्रामीणों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस चौकी के इतने नजदीक इस प्रकार की वारदात होना खाकी के खौफ के खात्मे की गवाही दे रहा है। क्षेत्रीय ग्रामीणो ने तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि पुलिस का ध्यान आमजन की सुरक्षा के बजाय केवल भेड़-बकरी से भरे ट्रकों और बजरी के ट्रैक्टरों की धरपकड़ पर रहता है, जिसके कारण चौकी के पास आए दिन ऐसी घटनाएं आम हो गई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंडावर थाना पुलिस ने पीडीत की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक जगदीश प्रसाद को सौंपी गई है। पुलिस की टीमें अब फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही हैं, लेकिन सरेराह हुई इस वारदात ने कानून व्यवस्था पर बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे अभियान का किया शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

भीषण गर्मी के बीच बेजुबान पक्षियों को राहत देने के उद्देश्य से लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। ट्रस्ट की ओर से बुधवार को उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा के सानिध्य में उपखंड कार्यालय से शहर भर में परिंडे लगाने के विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ट्रस्ट ने अपने प्रमुख सामाजिक कार्यों में इस अभियान को शामिल करते हुए घर-घर और सार्वजनिक स्थानों पर परिंडे लगाने की शुरुआत की है।उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि, 'ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने ट्रस्ट से कहा कि अभियान को निरंतर जारी रखना चाहिए ताकि इस भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। ट्रस्ट ने बताया कि शहर के विभिन्न स्थानों पर जहां भी परिंडों की आवश्यकता महसूस होगी, वहां तुरंत व्यवस्था की जाएगी। साथ ही आमजन से अपील की गई कि वे भी अपने घरों, छतों और आसपास के स्थानों पर परिंडे लगाकर इस नेक कार्य में सहभागी बनें। ट्रस्ट के संरक्षक प्रकाश पासोरिया, प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, ई-मित्र प्रभारी नासिक तगाला, रामपाल कुमावत, गुरुजी बलदेव शर्मा, शशि प्रकाश कुमावत, उपखंड अधिकारी पी ए राजपाल सिंह, शारीरिक शिक्षक राजेश कुमार शर्मा, रियांश जाजोदिया सहित ट्रस्ट के संरक्षक पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं उपखंड अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए आगे आए चिकित्सक, मंडावा में परिंडा अभियान शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

भीषण गर्मी के दौर में जहां इंसानों के साथ-साथ बेजुबान पक्षियों के लिए भी पानी और भोजन का संकट गहराता जा रहा है, वहीं मंडाव के आयुष चिकित्सालय परिसर में चिकित्सकों और कार्मिकों ने सराहनीय पहल करते हुए परिंडा अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत पेड़ों पर परिंडे (पानी के पात्र) बांधे गए और विभिन्न स्थानों पर चुग्गा पात्र रखे गए, ताकि पक्षियों को आसानी से पानी और दाना मिल सके। इस अभियान का शुभारंभ डॉ. अनीता चौधरी, डॉ. विकास कुमार, डॉ. इंदु, डॉ. पूनम और डॉ. सिकंदर अली ने किया, जबकि महिला चिकित्सक शक्ति ने मूक पक्षियों की सेवा की जिम्मेदारी संभाली। आयुर्वेद, होम्योपैथिक और यूनानी विभाग के चिकित्सकों सहित जनता क्लिनिक स्टाफ व अन्य कार्मिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए नियमित रूप से दाना-पानी भरने का संकल्प लिया। पर्यावरण एवं पक्षी मित्र संस्थान लुमास के नेतृत्व में चल रहे इस सेवा अभियान के दौरान आमजन को भी अपने घरों और आसपास पानी व दाना रखने के लिए प्रेरित किया गया। चिकित्सकों ने कहा कि गर्मी में यह छोटा सा प्रयास पक्षियों के जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और समाज में सेवा व संवेदनशीलता का संदेश देता है।

समाधान समारोह' के जरिए अब बातचीत से सुलझेंगे पुराने विवाद

सुप्रीम कोर्ट की पहल पर लगेंगी देशव्यापी लोक अदालत

पहले प्री लोक अदालत में अपना केस लगवाएं नागरिक, रजामंदी पर होगा फोकस

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

वर्षों से अदालती चक्कर काट रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में देश भर में 21 अप्रैल से समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) -2026 नामक एक विशेष राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत हो चुकी है। इस अभियान का उद्देश्य लंबित मामलों को कानूनी उलझनों के बजाय आपसी भाईचारे और बातचीत से सुलझाना है। उन्होंने बताया कि इस मुहिम के तहत आगामी 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया जाएगा। यहां पर सालों पुराने विवादों को आपसी सहमति से हमेशा के लिए खत्म किया जा सकेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नीलम कुमारी ने इस पहल की जानकारी देते हुए बताया कि न्याय को आम आदमी की पहुंच में लाने के लिए यह एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि अक्सर कानूनी लड़ाइयों में समय और पैसा दोनों बर्बाद होते हैं, लेकिन समाधान समारोह एक ऐसा मंच है जहां विवाद से संवाद की भावना को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि यहां पारंपरिक अदालती बहस की जगह मध्यस्थों और विशेषज्ञों की मदद से ऐसा रास्ता निकाला जाएगा जिसमें दोनों पक्षों की रजामंदी हो। यह एक ऐसा न्याय मॉडल है जिसमें किसी भी पक्ष की हार नहीं होती, बल्कि संतुलित समाधान से दोनों पक्षों के रिश्तों में सुधार आता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को हर घर तक पहुंचाने के लिए व्यापक रणनीति बनाई गई है। कोर्ट द्वारा लंबित मामलों की एक सूची तैयार की जा रही है, जिसके बाद संबंधित लोगों से संपर्क कर उन्हें समझौते की बैठकों के लिए बुलाया जाएगा। लोगों को प्री लोक अदालत में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जो लोग दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं या व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सकते, उनके लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि आम जनता को जागरूक करने के लिए रेडियो, सोशल मीडिया, ग्राम पंचायतों और रेलवे स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर प्रचार किया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस अवसर से वंचित न रहे। अदालत ने सभी अधिवक्ताओं और समाज के प्रबुद्ध नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस विशेष लोक अदालत का मकसद केवल फाइलों का बोझ कम करना नहीं है, बल्कि जनता का न्याय व्यवस्था पर भरोसा बढ़ाना और एक शांतिपूर्ण समाज का निर्माण करना है। यदि आप भी अपने किसी लंबित मामले का निपटारा सम्मानजनक तरीके से करना चाहते हैं, तो यह तीन दिवसीय आयोजन आपके लिए सबसे आसान और सुलभ रास्ता साबित हो सकता है।

नीमराना में कल गूंजेगी धर्म ध्वजा: विशाल कलश यात्रा और भागवत कथा का भव्य आयोजन, बाबा खेतानाथ वृद्धाश्रम पर होगा समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । कस्बे में गुरुवार को धर्म और आस्था का सैलाब उमड़ेगा। श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ से पहले विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कलश यात्रा कस्बे के मध्य से होकर गुजरेगी और बाबा खेतानाथ वृद्धाश्रम पर इसका समापन होगा। इसके साथ ही भागवत कथा का भी भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार, कलश यात्रा में बड़ी संख्या में माताएं-बहनें सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल होंगी। यात्रा के दौरान बैंड-बाजे और भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाएगा। कलश यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई बाबा खेतानाथ वृद्धाश्रम पहुंचेगी, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना की जाएगी। इसके बाद श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ होगा। आयोजकों ने बताया कि कलश यात्रा और भागवत कथा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कस्बेवासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लें और आयोजन को सफल बनाएं। बाबा खेतानाथ वृद्धाश्रम परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है। नीमराना में धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला में यह कलश यात्रा और भागवत कथा एक और कड़ी जुड़ने जा रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संचार होता है।

लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण पर मिलेगी 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी : डीसी अनुपमा अंजली

01282-250346 पर फोन करके भी ले ले सकते हैं योजना के बारे में जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान को नई गति देने और महिलाओं को उच्च शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए एक विशेष योजना चलाई जा रही है। इसके तहत हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से बैंक ऋण पर ब्याज में 5 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि कोई भी छात्राएं उच्च शिक्षा से वंचित न रहे इसलिए सरकार लड़कियों और महिलाओं को तकनीकी शिक्षा, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर, पीएचडी व अन्य उच्च शिक्षा कोर्सों के लिए बैंक से लिए गए ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान (सब्सिडी) दे रही है। यह योजना देश के साथ-साथ विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी लागू है।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ उठाने के लिए आय या जाति की कोई बाध्यता नहीं रखी गई है। लाभार्थी के लिए केवल हरियाणा का स्थाई निवासी होना अनिवार्य है। निगम द्वारा ब्याज राशि की क्षतिपूर्ति सीधे तौर पर की जाती है। डीसी ने बताया कि योजना के बारे में जानकारी के लिए इच्छुक छात्राएं व महिलाएं बस स्टैंड के नजदीक नरूला होटल के पीछे स्थित हरियाणा महिला विकास निगम कार्यालय में संपर्क कर सकती हैं। इसके अलावा कार्यालय के दूरभाष नंबर 01282-250346 पर भी कार्य दिवस के दौरान जानकारी ली जा सकती है।

डीजीपी की मैराथन बैठक, अपराध नियंत्रण व तकनीकी सुधार पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान पुलिस मुख्यालय में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुई रेंज समीक्षा बैठक में कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। डीजीपी ने हार्डकोर अपराधियों, हिस्ट्रीशीटर और एनडीपीएस मामलों में सख्त कार्रवाई के साथ वित्तीय जांच अनिवार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध संपत्तियों की जब्ती और लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। बैठक में तकनीकी नवाचार, राजकॉप सिटीजन एप्प के उपयोग, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, साइबर क्राइम नियंत्रण और सड़क सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के निर्देश भी दिए

स्मैक तस्कर जगराम को महवा पुलिस ने दबोचा, लूटेरे के पास मिली 5.61 ग्राम स्मैक

ऑपरेशन एंटी वेनम-2: श्मशान घाट के पास पुलिस ने बिछाया जाल, जगराम चढ़ा हत्थे

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन एंटी वेनम-2' के तहत महवा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 05.61 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी जगराम सैनी पुत्र हरी सैनी निवासी केसरी का बास, मंडावर लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था और बसवा थाने के एक लूट के प्रकरण में भी फरार चल रहा था। सीओ मनोहरलाल मीणा के सुपरविजन व थानाधिकारी सचिन शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार को मोदुका रोड स्थित श्मशान घाट के पास दबिश दी। वहां संदिग्ध अवस्था में घूम रहे जगराम सैनी की तलाशी ली गई तो उसके पास से अवैध स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को धर दबोचा और स्मैक जब्त कर ली। महवा थाना पुलिस ने इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा संख्या 195/2026 दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी यह नशा कहां से लाया था और इलाके में किन-किन लोगों को इसकी सप्लाई करने वाला था। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के नशे के कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

डीसी अनुपमा अंजली ने महामारी रोग अधिनियम के तहत नई नियमावली जारी की

मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मामलों की 24 घंटे में देनी होगी सूचना

निजी अस्पतालों और प्रयोगशालाओं के लिए निर्देश तय

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने जिला महेंद्रगढ़ के सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि हरियाणा सरकार ने महामारी रोग अधिनियम 1897 के तहत मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और जापानी मस्तिष्क ज्वर को अधिसूचित बीमारियों की श्रेणी में शामिल किया है। अब जिले के किसी भी निजी अस्पताल, चिकित्सालय या प्रयोगशाला में यदि इन बीमारियों का कोई भी पुष्ट मामला सामने आता है, तो उसकी सूचना 24 घंटे के भीतर स्वास्थ्य विभाग और मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को देना अनिवार्य होगा। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि इन बीमारियों के फैलाव को रोकने और समय पर निगरानी करने के लिए आंकड़ों का सटीक होना बेहद जरूरी है। यदि कोई संस्थान इन नियमों की अनदेखी करता है या मामलों को छुपाता है, तो उसके खिलाफ महामारी अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें पहली बार नियम तोड़ने पर 1,000 रुपये, दूसरी बार पर 5,000 रुपये और उसके बाद 10,000 रुपये तक का आर्थिक दंड लगाने का प्रावधान है।

प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, डेंगू की जांच के लिए निजी संस्थान एलीसा परीक्षण के लिए 600 रुपये से अधिक का शुल्क नहीं वसूल सकेंगे। इसी प्रकार, आवश्यकता पड़ने पर रक्त कणिकाओं (प्लेटलेट्स) के लिए अधिकतम 11,000 रुपये की सीमा तय की गई है। सभी अस्पतालों को इन निर्धारित दरों को अपने सूचना पट्ट पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करना होगा। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे समय-समय पर अस्पतालों का औचक निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि कोई भी संस्थान मरीजों से तय राशि से अधिक न वसूले। इसके साथ ही, मलेरिया के संदिग्ध मामलों में केवल सूक्ष्मदर्शी जांच या एंटीजन आधारित त्वरित परीक्षण के बाद ही पुष्टि मानी जाएगी और प्रयोगशाला को मरीज के पूरे पते और दूरभाष संख्या के साथ जानकारी सरकारी पोर्टल पर अपडेट करनी होगी।

डेंगू की पुष्टि के लिए केवल एलीसा आधारित परीक्षण मान्य: डॉ अशोक कुमार

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक कुमार ने तकनीकी जानकारी साझा करते हुए बताया कि डेंगू की पुष्टि के लिए केवल एलीसा आधारित परीक्षणों को ही मानक माना जाएगा। केवल साधारण कार्ड जांच के आधार पर मरीज को डेंगू धनात्मक घोषित करना नियमों के विरुद्ध है। यदि किसी निजी संस्थान के पास एलीसा जांच की सुविधा उपलब्ध नहीं है, तो उन्हें मरीज के रक्त का नमूना नागरिक अस्पताल नारनौल या महेंद्रगढ़ भेजना चाहिए। उन्होंने कहा कि वाहक जनित रोगों के सही प्रबंधन के लिए सरकारी पोर्टल पर दैनिक आधार पर जानकारी साझा करना हर चिकित्सक और प्रयोगशाला संचालक की जिम्मेदारी है। गलत पता या अधूरा दूरभाष नंबर देना भी अपराध की श्रेणी में आता है, क्योंकि इससे स्वास्थ्य विभाग के दल को मच्छर मार दवा के छिड़काव और लार्वा रोधी गतिविधियों में बाधा आती है।

स्वयं गणना का आज आखिरी दिन

हरियाणा में 2.45 लाख परिवारों ने की खुद की गणना

कल से घर-घर दस्तक देंगे प्रगणक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

राष्ट्रीय जनगणना के महाभियान में हरियाणा ने जनभागीदारी की एक नई कहानी लिख दी है। प्रदेश के नागरिकों ने स्वयं जनगणना पोर्टल पर जिस उत्साह के साथ पंजीकरण किया है, वह राज्य में बढ़ती डिजिटल जागरूकता का जीवंत प्रमाण है। अब तक प्रदेश के 2 लाख 45 हजार से अधिक परिवारों ने स्वेच्छा से अपनी जानकारी साझा कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। जिला महेंद्रगढ़ में 12,674 नागरिकों ने अब तक पोर्टल पर स्व जनगणना की है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने आज इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 30 अप्रैल स्वयं जनगणना का अंतिम दिन है। उन्होंने विशेषकर युवा वर्ग से अपील की है कि वे इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाते हुए आज रात तक अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, क्योंकि कल 1 मई से जनगणना का स्वरूप बदलने जा रहा है और वास्तविक हाउस लिस्टिंग एवं फील्ड ऑपरेशंस की शुरुआत होगी। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि 1 मई से शुरू होने वाले चरण में प्रगणक और पर्यवेक्षक सीधे नागरिकों के द्वार पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि जनगणना मात्र एक गिनती नहीं, बल्कि देश के भविष्य की नीतियों और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण का आधार है। प्रशासन ने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि उनके द्वारा साझा की गई प्रत्येक जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी और इसे किसी भी तीसरे पक्ष के साथ साझा नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना कर्मियों को जानकारी देने से इनकार करना या बाधा उत्पन्न करना जनगणना अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। फील्ड में तैनात कर्मचारियों की सहायता के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और किसी भी तकनीकी समस्या या शिकायत के निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर 1855 भी जारी किया गया है। सभी जिला प्रशासनों ने इस राष्ट्रीय महोत्सव के लिए अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं, ताकि यह प्रक्रिया सुव्यवस्थित और त्रुटिहीन तरीके से संपन्न हो सके।

स्वयं जनगणना का 30 अप्रैल अंतिम दिन

1 मई से शुरू होंगे हाउस लिस्टिंग व जनगणना संचालन : डीसी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । डीसी डॉ. विवेक भारती ने जिला के सभी नागरिकों से आह्वान किया है कि 30 अप्रैल स्वयं जनगणना का अंतिम दिन है। उन्होंने कहा कि नागरिक बढ़-चढ़कर इसमें भाग लें और अपनी जनगणना सुनिश्चित करें। डीसी ने बताया कि स्वयं जनगणना एक सरल प्रक्रिया है, जिसे नागरिक मात्र 5 से 7 मिनट में https//se.census.gov.in/ पोर्टल पर जाकर पूरा कर सकते हैं। डीसी ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 मई से जिला सहित पूरे राज्य में वास्तविक हाउस लिस्टिंग एवं जनगणना संचालन प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने क्षेत्र में आने वाले प्रगणकों (एन्युमेरेटर) एवं पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजर्स) का पूरा सहयोग करें तथा उन्हें सही, सटीक और अद्यतन जानकारी उपलब्ध करवाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों द्वारा दी गई सभी जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी और इसे किसी भी व्यक्ति या संस्था के साथ साझा नहीं किया जाएगा। डॉ. विवेक भारती ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक देश के विकास, नीति निर्धारण और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। उन्होंने यह भी बताया कि जनगणना कर्मियों को आवश्यक जानकारी देने से इनकार करना या सहयोग न करना जनगणना अधिनियम के तहत दंडनीय है। डीसी ने नागरिकों से अपील की कि वे इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपनी जनगणना अवश्य करवाएं। उन्होंने जिला प्रशासन की तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जनगणना संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित हैं। प्रगणक एवं पर्यवेक्षक इस प्रक्रिया के प्रमुख स्तंभ हैं और उनसे अपेक्षा है कि वे पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। प्रशासन उनके साथ पूर्ण सहयोग के लिए तत्पर है। यदि किसी प्रगणक, पर्यवेक्षक अथवा नागरिक को किसी प्रकार की समस्या आती है, तो वे अपने संबंधित पर्यवेक्षक या तहसीलदार से संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, जनगणना विभाग का हेल्पलाइन नंबर 1855 भी जारी किया गया है, जिस पर कोई भी नागरिक, प्रगणक या पर्यवेक्षक अपनी समस्या दर्ज करवा सकता है। प्रत्येक शिकायत पर त्वरित व उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

10 मई को भोजावास में होने वाले महाराणा प्रताप जयंती को लेकर खेड़ी में हुई बैठक

कांटी व खेड़ी से दोनों गांवों में बड़ी संख्या में लोग पुष्प अर्पित करेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

अटेली खंड के गांव खेड़ी-कांटी गांव में ग्रामीणों ने बुधवार को बैठक कर आगामी 10 मई को भोजावास गांव में होने वाले वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह में भाग लेने का निर्णय किया। गांव में स्थापित सम्राट पृथ्वीराज चौहान प्रतिमा के समक्ष आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महेन्द्र सिंह चौहान प्रधान व नरपत सिंह ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप आजादी के अग्रदूत थे। उन्होंने अंतिम दम तक आजादी के लिए संघर्ष किया। उन्होंने महाराणा के त्याग, प्रेम, सद्भाव के गुणों को अपनाने और जयंती समारोह में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी ठाकुर अतरलाल, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार चौहान, गुरुग्राम जिला राजपूत सभा के अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान एडवोकेट, हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष डा. वेदपाल पप्पू तथा प्रमुख बसपा नेता पवन ठाकुर होंगे। कप्तान हुकम सिंह, देवनारायण यादव, सतपाल जांगड़ा, डा. अमर सिंह ने कहा कि जयंती समारोह को लेकर छत्तीस बिरादरी के लोगों में महाराणा प्रताप जयंती को लेकर उत्साह तथा जयंती समारोह ऐतिहासिक होगा। इस अवसर पर सज्जन सिंह, कप्तान मक़तूल सिंह, कप्तान सुमेर सिंह, भाग सिंह चेयरमैन, राकेश यादव, राजेन्द्र नंबरदार, कैलाश सेठ, विनोद सिंह, देशराज सिंह, ज्ञान सिंह, जोगेन्द्र सिंह, मातादीन शेखावत आदि ।

संतों के विचार और सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणापुंज: राज्यसभा सांसद सुभाष बराला

संत सुखदेवानंद महाराज के जन्म दिवस पर पहुँचे सांसद सुभाष बराला; लिया आशीर्वाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । स्थानीय रामनगर स्थित कुटिया शान्त सरोवर श्री योग धाम में बुधवार को 'धर्म प्रमुख एवं संचालक' संत श्री सुखदेवानंद जी महाराज का पावन जन्म दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस गरिमामयी समारोह में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने महाराज जी को पुष्प अर्पित कर उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की मंगलकामना की। समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि संत-महात्मा समाज के वे दैदीप्यमान प्रकाश स्तंभ होते हैं, जो अपने ज्ञान, तप और अनुभव से मानवता को कल्याण का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने महाराज जी द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महाराज जी जैसे महापुरुषों का सानिध्य और मार्गदर्शन ही समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करता है और आध्यात्मिक चेतना को जीवित रखता है। संतों का जीवन सदैव परोपकार के लिए समर्पित होता है, जिससे समाज में प्रेम और भाईचारे की भावना बलवती होती है।

सांसद ने कहा कि संतों के सानिध्य में हमें न केवल मानसिक शांति प्राप्त होती है, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जाने की नई ऊर्जा भी मिलती है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में आध्यात्मिक शिक्षाएं अत्यंत प्रासंगिक हैं, जो हमें संयम और सदाचार के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। महाराज जी का जीवन सरल, सहज और लोक-कल्याण के प्रति समर्पित है, जो हम सभी के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। सांसद ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार संतों के दिखाए गए 'अंत्योदय' और सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलते हुए समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि जहाँ एक ओर हम विकास की नई ऊंचाइयों को छुएं, वहीं अपनी गौरवशाली प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को भी सुरक्षित रखें। शासन का लक्ष्य एक ऐसे आदर्श समाज का निर्माण करना है जहाँ भौतिक प्रगति के साथ-साथ उच्च संस्कारों का भी समावेश हो, ताकि हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों और गौरवशाली विरासत से जुड़ी रहे। इस पावन अवसर पर नगरपरिषद चेयरमैन नरेश बंसल, रविन्द्र कुमार मेहता, रमन मड़िया, जगमेल कटारिया, मनीष शर्मा सहित प्रबुद्ध नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

फतेहाबाद पुलिस की बडी कार्यवाही: शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी काबू

महिला थाना पुलिस ने अशोक नगर निवासी मनदीप उर्फ मंगा को किया काबू

आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर लगाम लगाने और आरोपियों की त्वरित धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत महिला थाना फतेहाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।आरोपी की पहचान मनदीप उर्फ मंगा पुत्र स्वर्ण सिंह निवासी अशोक नगर, फतेहाबाद के रूप में हुई है । महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरुणा ने जानकारी देते हुए बताया कि पिडिता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी ने शादी का झाँसा देकर उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए वा जब शादी बारे बोला तो आरोपी और उसके परिवार ने न केवल इनकार कर दिया बल्कि पीड़िता को जान से मारने और झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 और एस सी एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा नंबर 27/2026 दर्ज कर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी मनदीप उर्फ मंगा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जा रही है पुलिस की अपील*:फतेहाबाद पुलिस महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या अपराध की स्थिति में महिलाएं तुरंत महिला हेल्पलाइन नंबर 1091 या डायल-112 पर संपर्क करें। अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सूरजगढ़ में एसडीएम की कार्यशैली के विरोध में वकीलों का धरना 43वें दिन भी जारी, कार्रवाई की मांग पर अड़े अभिभाषक

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

स्थानीय अभिभाषक संघ द्वारा एसडीएम की कार्यशैली के विरोध में शुरू किया गया धरना बुधवार को 43वें दिन भी जारी रहा। करीब डेढ़ महीने से एसडीएम कार्यालय के बाहर चल रहे इस विरोध प्रदर्शन के बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर वकीलों में भारी रोष देखा जा रहा है। बुधवार को भी बड़ी संख्या में अधिवक्ता एसडीएम कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अभिभाषक संघ के सचिव राकेश वर्मा ने बताया कि एसडीएम की वकीलों के प्रति नकारात्मक और असहयोगात्मक कार्यशैली के चलते यह आंदोलन शुरू किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसडीएम द्वारा अधिवक्ताओं के साथ उचित व्यवहार नहीं किया जा रहा है, जिससे न्यायिक कार्य प्रभावित हो रहा है। वकीलों ने विशेष रूप से एडवोकेट चंद्रप्रकाश के साथ हुए कथित अभद्र व्यवहार की कड़ी निंदा की और इसे आंदोलन का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि जब तक संबंधित अधिकारी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह धरना जारी रहेगा। धरने के दौरान प्रशासन की ओर से एडीएम अजय आर्य और चिड़ावा एसडीएम डॉ. नरेश सोनी मौके पर पहुंचे और वकीलों से वार्ता कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने मामले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का भरोसा दिलाया, लेकिन वकील अपनी मांगों पर अडिग रहे और स्पष्ट कर दिया कि बिना कार्रवाई के आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। धरने में एडवोकेट शिवराज गोठड़िया, मदन राठौड़, चंद्रप्रकाश, अनिल शर्मा, अभिषेक सेवदा, सोमवीर खीचड़, शिवराज राठौड़, कपिल पारासर, सुनील सोमरा, प्रदीप शर्मा, अजय जडेजा, राजेश योगी, संदीप राव सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे। अभिभाषकों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर उचित निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

फतेहाबाद के शांति निकेतन स्कूल में नए विद्यार्थियों का शानदार आगाज, टैलेंट शो में झलकी 370 बच्चों की प्रतिभा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । शांति निकेतन पब्लिक स्कूल ढिंगसरा के प्रधानाचार्य रणसिंह जी रेपस्वाल व डायरेक्टर विजय सिंह बाघेला ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत एक अनोखे और प्रेरणादायक अंदाज में की गई। विद्यालय प्रशासन ने नए दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के स्वागत के लिए 'टैलेंट शो फॉर न्यू स्टूडेंट' नामक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जो बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव साबित हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि नए विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच उपलब्ध करवाना है, जिससे वे अपने अंदर छुपी प्रतिभाओं को खुलकर प्रदर्शित कर सकें। उन्होंने बताया कि विद्यालय में अब तक कुल 370 नए विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जो अपने साथ अलग-अलग अनुभव, संस्कार और प्रतिभाएँ लेकर आए हैं। इन सभी बच्चों को एक ही मंच पर लाने और उनकी क्षमताओं को पहचानने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल बच्चों को स्कूल के माहौल में सहज बनाने और उनमें आत्मविश्वास जगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम से न केवल बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ा, बल्कि सभी को एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने का अवसर भी मिला। उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रबंधन ने पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें हर कदम पर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था, जो उनके जीवन में आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत आधार बनेगा। उनका मानना है कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के अंदर छुपी झिझक को दूर करते हैं और उन्हें खुलकर अपनी बात रखने का साहस देते हैं। यह बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद आवश्यक है।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि वे बच्चों के अंदर छुपी हर प्रतिभा को पहचानने और उसे निखारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'टैलेंट शो फॉर न्यू स्टूडेंट' इसी सोच का एक उदाहरण है, जो आने वाले समय में और भी बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने नए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बताया कि यह कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि बच्चों के लिए एक नई शुरुआत, नए सपनों और नई उम्मीदों का प्रतीक भी बन गया। शांति निकेतन पब्लिक स्कूल का यह प्रयास निश्चित रूप से शिक्षा के साथ-साथ प्रतिभा विकास की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

थाना सदर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई : गांजा तस्करी मामले में एक और सह-आरोपी काबू

पहले 06 आरोपी काबू, करीब 25 किलो गांजा बरामदगी का मामला; एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना सदर टोहाना पुलिस ने गांजा तस्करी के एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए एक अन्य सह-आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। इस मामले में पुलिस द्वारा पहले ही 06 आरोपियों को काबू किया जा चुका है, जबकि अब सातवें सह-आरोपी को भी चिन्हित कर काबू किया गया है। थाना सदर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक शादी राम ने बताया कि काबू किए गए सह-आरोपी की पहचान अजय उर्फ पेंची पुत्र रमेश निवासी गांव बरौदा, थाना उचाना, जिला जींद (हरियाणा) के रूप में हुई है। आरोपी को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा मामले में अन्य संलिप्त आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पूर्व में की गई कार्रवाई के दौरान मुख्य आरोपी सोनू पुत्र बलवान एवं गुरुदेव उर्फ जोनी पुत्र राजबीर निवासीगण गांव धमतान साहिब, जिला जींद को काबू कर उनके कब्जे से कार से 24 किलो 955 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया गया था। इस संबंध में थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 01 दिनांक 01.01.2026 धारा 20B(ii)(C)/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की गहनता से जांच करते हुए पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। मामले में अन्य आरोपियों को काबू करने के प्रयास जारी हैं तथा आगामी कार्रवाई नियमानुसार अमल में लाई जा रही है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा ने संतोष मेमोरियल दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने आज हुड्डा सेक्टर स्थित संतोष मेमोरियल एवं पुनर्वास केंद्र का औचक निरीक्षण किया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा ने दिव्यांग बच्चों के रहने का स्थान, उनके भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं की जांच की। उन्होंने केंद्र के संचालकों को निर्देश दिए कि बच्चों के पुनर्वास और उनकी शिक्षा में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आनी चाहिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मैडम नीलम कुमारी ने केंद्र के स्टाफ और वहां रह रहे लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर पर अधिकारियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें खाद्य सामग्री वितरित की।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने ली जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक

सहकारिता मंत्री ने गांवों में कैंप लगाकर पीपीपी में त्रुटियां ठीक करने के दिए निर्देश

सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार पारदर्शिता को संकल्पबद्ध : डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा के सहकारिता, जेल, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने आज यहां सभागार में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक में सुनवाई के दौरान टैनर्स स्मॉल एंटरप्राइजेज कोऑपरेटिव सोसाइटी महेंद्रगढ़ के मामले में निर्देश दिए कि सहकारी समिति के दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

डॉ शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार पारदर्शिता से काम करने को प्रतिबद्ध है। इस तरह की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आज की बैठक में कुल 12 मामले रखे गए। इनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक के दौरान जन स्वास्थ्य विभाग से जुड़े मामले में मुकेश स्वामी व महेंद्र सिंह की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए डॉ शर्मा ने विभाग को तुरंत अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए ताकि वे भविष्य में रोजगार प्राप्त कर सकें। गांव कोका की कविता की सुरक्षा और भूमि विवाद से जुड़ी शिकायत पर पुलिस विभाग को प्रभावी कार्यवाही करने को कहा गया ताकि महिला सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। ग्राम मण्ढाणा निवासी सीताराम की परिवार पहचान पत्र में अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि इस बारे में उचित सुधार कर दिया गया है। इस पर सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए की प्रत्येक गांव में कैंप लगाकर परिवार पहचान पत्र से संबंधित शिकायतों को दूर किया जाए। गांव मोहनपुर में खनन से अवैध स्टॉक से होने की शिकायत पर खनन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध स्टॉक को तुरंत प्रभाव से प्रशासन अपने कब्जे में ले। एनएच-11 पर बलाहां कलां बस स्टैंड पर जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए एनएचएआई के अधिकारियों को कार्य में गति लाने को कहा गया। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्य को एक माह में पूरा कर लिया जाएगा। नारनौल शहर में बहरोड़ रोड अंडरपास (आरयूबी-42) में जल निकासी व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए रेलवे और नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि यहां पर काम शुरू हो चुका है जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। सहकारिता मंत्री के आगमन पर उपायुक्त अनुपमा अंजली तथा पुलिस अधीक्षक दीपक ने उनका बुके भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर बीजेपी के जिला अध्यक्ष डॉ यतेंद्र राव, अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव, नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी तथा राजू शर्मा के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारी माइक्रो मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करें

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ आखिरी छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचना सही मायने में सामाजिक न्याय है। उन्होंने अधिकारियों को ऐसा माइक्रो मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने की निर्देश दिए, जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। गहलोत बुधवार को मुख्यालय अंबेडकर भवन के सभागार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, विशेष योग्यजन निदेशालय एवं अनुजा निगम द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा अंत्योदय की भावना से समाज के हर वर्ग को योजनाओं का लाभ पहुंचाने की है। गहलोत ने बताया कि वर्ष 2024-25, 2025-26 और 2026-27 की कुल 50 बजट घोषणाओं में से 26 पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 18 प्रक्रियाधीन हैं और शेष 6 का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। उन्होंने बजट घोषणाओं की प्रगति पर संतोष जताया। इस दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं की समीक्षा, मुख्यमंत्री के निर्देशो की क्रियान्विति समीक्षा, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज लम्बित प्रकरणों, विधान सभा प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा तथा योजनाओं की सफल क्रियान्विति के लिए भविष्य की कार्ययोजनाओं पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। गहलोत ने छात्रवृत्ति, पेंशन, पालनहार, अंतरजातीय विवाह, नवजीवन, पालनहार, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग, दिव्यांग स्कूटी, सिलिकोसिस योजना सहित अन्य विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर निश्चित समयावधि में पात्र लाभार्थियों को लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आवासीय विद्यालयों में अध्यनरत छात्रों का बेहतरीन परिणाम रहा है, इसी तरह अन्य योजनाओं में भी सकारात्मक परिवर्तन आने अपेक्षित हैं। बैठक में पिछले दिनों चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित चिंतन शिविर में कई राज्यों से प्राप्त सुझावों पर भी अमल करने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार ने विभागीय योजनाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त निःशक्तजन इकबाल खान एवं निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव ललित कुमार ने पीपीटी के जरिए योजनाओं से जुड़ी प्रगति से अवगत कराया। बैठक में वित्तीय सलाहकार श्रीमती अंजू सिंह, अतिरिक्त निदेशक जेपी बैरवा, श्रीमती नसीम खान, श्रीमती रीना शर्मा, सूंडाराम मीणा, अशोक जांगिड़, अरविंद सैनी, चंद्रशेखर चौधरी सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026

इनवेस्टर मीट आज अहमदाबाद में - कृषि नवाचार और निवेश के नए अवसरों का आगाज़

एग्रीटेक, डेयरी और सहकारिता क्षेत्र में संभावनाओं पर होगा व्यापक मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान को कृषि नवाचार और निवेश का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में कृषि विभाग, राजस्थान द्वारा 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026' के तहत अहमदाबाद में इनवेस्टर मीट का आयोजन 30 अप्रैल को किया जा रहा है जिसने कृषि, एग्रीटेक और सहकारिता क्षेत्र में निवेश और साझेदारी की अपार संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उपस्थित होंगे, वहीं कार्यक्रम में कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल तथा पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत की भी गरिमामई उपस्थित रहेगी। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि भी अपने विचार रखेंगे। प्रमुख वक्ताओं में प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल तथा गुजरात सरकार के कृषि, किसान कल्याण एवं सहकारिता विभाग प्रमुख सचिव श्री रमेश चंद मीणा भी अपने विचार साझा करेंगे। इस दौरान आयोजित होने वाले रोड–शो में नीति निर्माता, उद्योग प्रतिनिधि, निवेशक, स्टार्टअप्स, डेयरी और सहकारिता क्षेत्र के विशेषज्ञ एक मंच पर एकत्रित होंगे। आयोजन में निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग्स का विशेष सत्र रखा गया है, जिससे संभावित साझेदारियों को बढ़ावा मिलेगा।

गुवानी में जिला प्रशासन का रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित

डीसी अनुपमा अंजली ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

विभागों ने स्टाल लगाकर नागरिकों को दिया योजनाओं व सेवाओं का लाभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की टीम बुधवार को शहीद लाल सिंह राजकीय माध्यमिक विद्यालय गांव गुवानी पहुंची। यहां रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच कई घंटे बिताकर उनकी समस्याओं का निराकरण किया। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे बातचीत की। इस मौके पर विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सेवाओं का लाभ दिया। साथ ही अधिकारियों ने मंच से उनके विभाग से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग तथा आयुर्वेद विभाग के चिकित्सकों ने स्वास्थ्य जांच की तथा मुफ्त में दवाइयां भी वितरित कीं। क्रीड की ओर से इस मौके पर परिवार पहचान पत्र में त्रुटियां ठीक की गई।

इससे पहले उपायुक्त ने स्कूल में पहुंचकर शिलाफलकम पर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की भजन मंडली ने लोक गीतों के माध्यम से हरियाणा सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान डीसी अनुपमा अंजली ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन का पूरा फोकस ग्रामीण विकास पर है। उन्होंने गांव के विकास को एक सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए एकजुट होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे गांव की आने वाली पीढ़ियां तरक्की कर सकती हैं। ऐसे में शिक्षा पर विशेष ध्यान दें। पुलिस अधीक्षक दीपक ने समाज में फैल रही नशे की बुराई पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे जैसी कुरीतियों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा को खेल और पढ़ाई जैसे सकारात्मक कार्यों में लगाएं। इस मौके पर गांव की वीरांगनाओं को मंच से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, सीईओ जिला परिषद निर्मल नागर, नगराधीश डॉ मंगलसेन, गुवानी की सरपंच रीना यादव केअलावा विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

भजनों से रिझाया श्यामप्रभु को, हुए दो भजनोत्सव

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर, । यहां दूजोद पुराना गेट के पास स्थित श्री श्याम मंदिर में बुधवार को दो भजनोत्सव आयोजित किये गये। दिन में महिलाओं ने संकीर्तन किया जबकि रात्रि में श्यामभक्तों की ओर से मासिक कीर्तन किया गया। अपरान्ह हुए भजनोत्सव में पूर्व विधायक राजकुमारी शर्मा, मोनिका मोदी, सरोज शर्मा, सरिता पेशवानी, सत्यभामा, अरुणा शर्मा, कीर्ति आदि श्यामभक्त महिलाओं ने मीठे-मीठे भजनों से श्यामप्रभु को रिझाया। इस अवसर पर श्यामबाबा की मूर्ति का भव्य श्रृंगार किया गया। रात्रि कीर्तन श्यामभक्त पीयूष गड्डीका के सानिध्य में किया गया। इस मौके पर गोरीशंकर शर्मा, प्रमोद कुमार सर्राफ, अर्जुन पुजारी, पवन बजाज, अनिल काबरा, संदीप अग्रवाल, अनिल तोदी, चंद्रप्रकाश दोदराज आदि ने भजनों की प्रस्तुति दी। बाबा श्याम को भोग लगा कर सभी श्यामभक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना सिनेमा जैसा

अनुभवी बल्लेबाज पुजारा ने की जमकर तारीफ

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी लगातार अपने आक्रामक अंदाज से सुर्खियां बटोर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने महज 16 गेंदों में 43 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, जिसने राजस्थान रॉयल्स की जीत की नींव रखी।

पुजारा ने की बड़ी तारीफ - भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को खास बताया। उन्होंने कहा- वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना किसी सिनेमा से कम नहीं है। जिस तरह वह बिना किसी डर के हर गेंदबाज पर हमला करते हैं, वह शानदार है। उन्होंने आगे कहा- सबसे खास बात यह है कि विपक्षी टीम जानती है कि वह आक्रमण करेंगे, फिर भी उन्हें रोक पाना मुश्किल होता है। यही निरंतरता टीम को बढ़त दिलाती है।

पावरप्ले में मैच का रुख बदला - सूर्यवंशी की तेज शुरुआत ने पावरप्ले में ही मैच का रुख राजस्थान की ओर मोड़ दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया, जिससे बाद के बल्लेबाजों को आसानी से लक्ष्य का पीछा करने का मौका मिला।

चहल की शानदार गेंदबाजी - हालांकि मैच के बीच में चहल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पंजाब को मुकाबले में वापस लाने की कोशिश की। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर रन गति पर लगाम लगाई। पुजारा ने चहल की तारीफ करते हुए कहा- चहल ने जिस तरह अपनी विविधता का इस्तेमाल किया, वह शानदार था। दबाव के बावजूद उन्होंने फ्लाइट और स्पीड में बदलाव जारी रखा, जो टी20 में बेहद अहम है।

अहमदाबाद में बेंगलुरु का विजय रथ आज गुजरात रोकना चाहेगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुजरात टाईट्स और रायल चैलेंजर बैंगलुरु के बीच अहम मुकाबला आज अहमदाबाद में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के आधे चरण के बाद गुजरात टाइटंस 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ संघर्ष कर रही है, जबकि आरसीबी शानदार फॉर्म में है और 6 जीत के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

आरसीबी की ताकत- गेंदबाजी का दम - आरसीबी की सफलता में उसके तेज गेंदबाजों की बड़ी भूमिका रही है। भुवनेश्वर कुमार अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं, वहीं जोश हेजलबुड लगातार सटीक लाइन-लेंथ से दबाव बना रहे हैं। मिडिल ओवर्स में कृणाल पंड्या की विविधता भरी गेंदबाजी विरोधी टीम के लिए चुनौती बन रही है।

गुजरात की चिंता- टॉप ऑर्डर पर निर्भरता - गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी काफी हद तक उसके टॉप ऑर्डर पर निर्भर है। शुभगिन

गिल , साई सुदर्शन और जोस बटलर टीम के लिए लगातार रन बना रहे हैं। हालांकि, मिडिल ऑर्डर में वाशिंगटन सुंदर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर्स अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

पिछला मुकाबला और घरेलू रिकॉर्ड - दोनों टीमों के बीच हाल ही में खेले गए मैच में आरसीबी ने 206 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था। वहीं गुजरात अपनी घरेलू पिच पर अब तक ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाई है और मोटेरा में खेले तीन में से दो मुकाबले हार चुकी है।

खिलाड़ियों पर नजर

आरसीबी के लिए विराट कोहली अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनके साथ जैकब बेथेल को ओपनिंग का मौका मिल सकता है, जो अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने हाल ही में कहा- हम अपनी प्रक्रिया पर ध्यान दे रहे हैं और हर मैच को अलग मानकर खेल रहे हैं। टीम के लिए अच्छी बात यह है कि हर मैच में कोई ना कोई खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहा है।

बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?

- यशस्वी ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने 223 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर पंजाब किंग्स के विजयी अभियान को रोक दिया। फ्रेंचाइजी के जाने-माने चेहरे जायसवाल ने अपनी 'ऑरेंज कैप' साथी खिलाड़ी और 15 साल के ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी को सौंपी। जब ब्रॉडकास्टर ने जायसवाल से पूछा, 'बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?' इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं। थोड़ा और सोच-समझकर बोलते हुए जायसवाल ने माना कि उम्र का यह अंतर उनके लिए एक अनोखी स्थिति थी। उन्होंने कहा, लेकिन हां, वह काफी छोटा है। इसलिए, सच कहूं तो मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस बारे में क्या कहूं। बेशक यह बहुत बढ़िया है। मुझे उसके साथ बैटिंग करने में बहुत मजा आया और वह बहुत शानदार खेल रहा है। इसलिए जब मैं दूसरे छोर से उसे गेंद पर जोरदार शॉट लगाते देखता हूं, तो मुझे हमेशा खुशी होती है। आईपीएल 2026 में जायसवाल और सूर्यवंशी ने मिलकर विरोधी टीमों की जमकर धुनाई की है और साझेदारी के मामले में वे सबसे आगे चल रहे हैं। राजस्थान के लिए 9 पारियों में इन दोनों ने मिलकर 451 रन जोड़े हैं। आक्रामक सलामी साझेदारी पर बात करते हुए जायसवाल ने कहा, बेशक, हमें पता था कि यह एक हाई-स्कोरिंग मैदान है। इसलिए हमें अपना आक्रामक रवैया बनाए रखना था और जब भी मौका मिलता, हमें शॉट लगाना था। मैं भी यही सोच रहा था कि अगर गेंद मेरी रेंज में आती है, तो मैं उसे जरूर मारूंगा। और हां, हमें एक अच्छी शुरुआत की जरूरत थी क्योंकि हमें 200 या उससे ज्यादा रन बनाने थे। इसलिए यह बिल्कुल साफ था कि अगर गेंद हमारे खेलने के दायरे में आएगी, तो हम उसे जरूर मारेंगे।

न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पिछले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताबी जीत वाली टीम में शामिल कुल 10 खिलाड़ियों को इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगमी टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

न्यूजीलैंड ने बुधवार को स्टार ऑलराउंडर मेली केर को टीम का कप्तान बनाया। इसी के साथ मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम का घोषणा करने वाली दूसरी टीम बन गई। कीवी टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मेल है, जिसमें अनुभवी सूजी बेट्स और डिवाइन अपने 10वें टी-20 विश्व कप में

खेलेंगी, जबकि नई खिलाड़ी नेन्सी पटेल और बल्लेबाज इजी शार्प का आईसीसी टूर्नामेंट में अपने पहले अनुभव के लिए टीम में स्वागत किया गया है। पहली पसंद की स्पिनर ईडन कार्सन अपनी लंबे समय से कोहनी की चोट के कारण टीम में नहीं चुनी जा सकीं।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने कहा, मेरा मानना है कि हमें एक अच्छी तरह से बैलेंस्ड टीम मिली है जिसमें एक्सपीरियंस और रोमांचक युवा प्रतिभा का मिश्रण है। हमने पिछले 12 महीनों में अपनी बैटिंग डेप्थ को डेवलप करने के लिए बहुत मेहनत की है, खासकर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हमारी हालिया होम सीरीज में इसका फायदा देखने को मिला है। न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप में ग्रुप 2 में होगा और नॉकआउट स्टेज से पहले इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच खेलेगा।

विश्वकप के लिए न्यूजीलैंड टीम - मेली केर (कप्तान), सूज़ी बेट्स, सोफी डिवाइन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, जेस केर, रोजमेरी मेयर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर, इजी शार्प और ली ताहुहू।

गोल्फ जगत में शोक की लहर

दिग्गज खिलाड़ी विजय कुमार का 57 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार बार के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे। विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया।

उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले नौ भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अलफ्रीड दुनहिल कप में भी भारत का रिप्रेजेंटसन किया था।

डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव ने विजय कुमार के निधन को भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति बताया। कपिल ने कहा, विजय कुमार भारतीय गोल्फ के महान खिलाड़ियों में से एक थे। अपनी उपलब्धियों, विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें गोल्फरों की कई पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बना दिया। उनका निधन भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

एआईएफएफ यूथ लीग

पंजाब एफसी का जलवा बरकरार, फाइनल में 3-0 से शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब एफसी ने एएआईएफएफ एलीट यूथ लीग 2025-26 का खिताब सफलतापूर्वक डिफेंड करते हुए फाइनल में जिंक फुटबाल एकादमी को 3-0 से हराया। गढ़शंकर के रामसर साहिब स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब स्रष्ट ने दूसरे हाफ में दमदार प्रदर्शन किया।

10 मिनट में मैच खत्म - दूसरे हाफ में महज 10 मिनट के अंदर पंजाब स्रष्ट ने तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 69वें मिनट में कृष शोरम ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके ठीक एक मिनट बाद 70वें मिनट में कप्तान विशाल यादव ने गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया।

तीसरे गोल से पक्की जीत - पंजाब एफसी का आक्रमण यहीं नहीं रुका और 79वें मिनट में थोग्राम रिषीकांत सिंह ने तीसरा गोल दागकर जीत पूरी तरह सुनिश्चित कर दी।

पहले हाफ में बराबरी की टक्कर - पहले हाफ में पंजाब स्रष्ट ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और लगातार हमले किए, लेकिन जिंक फुटबाल एकाडमी के गोलकीपर स्मारनिक थापा ने कई शानदार बचाव किए।

मैड्रिड ओपन में बड़ा उलटफेर, हेले बाप्टिस्ट ने सबालेंका को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। हेले बाप्टिस्ट ने मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। बाप्टिस्ट ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत दर्ज की। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे तक चला और उनके करियर की सबसे बड़ी जीत साबित हुआ।

छह मैच प्वाइंट बचाकर पलटा मैच - इस मुकाबले में बाप्टिस्ट ने असाधारण मानसिक मजबूती दिखाई। उन्होंने छह मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया और अंत में लगातार तीन अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

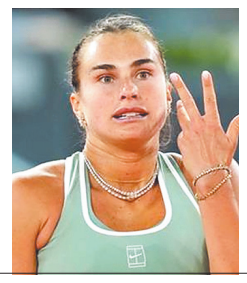

पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में एंट्री - 24 वर्षीय बाप्टिस्ट ने इस टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इससे पहले जैस्मिन पाओलिनी को हराया था और अब पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले उन्होंने कभी टॉप-5 खिलाड़ी को नहीं हराया था, लेकिन इस बार उन्होंने लगातार बड़े नामों को मात दी है।

मैच का टर्निंग पॉइंट - पहले सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी नजर आईं और आसानी से सेट जीत लिया। लेकिन दूसरे सेट में बाप्टिस्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और सबालेंका की गलतियों का फायदा उठाते हुए मैच बराबर कर दिया।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर

बाधा डालने के आरोपों के बाद रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया पंजीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है।

डब्ल्यूएफआई का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रहीं। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं।

विनेश ने कहा कि पंजीकरण आज सुबह ही पूरा हो सका, जबकि डब्ल्यूएफआई से मिली जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10:29 बजे पूरा हो गया था। विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। उन्होंने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गईं और इसी दौरान मां भी बनीं।

चीन से 0-5 से हारकर भारत उबेर कप से बाहर

अब थॉमस कप पर निगाहें

होर्सेंस (डेनमार्क)(एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी।

उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है. सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशारानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया

गया।

सिंधु निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थी लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं. इससे चीन ने सोमवार को ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

सिंधु ने बाद में कहा, 'यह एक अच्छा मैच था. अगर मैं जीत हासिल करने में सफल रहती तो और भी अच्छा होता. मुझे मौके मिले, लेकिन ऐसा नहीं था कि कुछ अंक आसान थे. प्रत्येक अंक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ. हम वास्तव में प्रत्येक अंक के लिए बहुत संघर्ष कर रहे थे।' प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा पहले युगल मुकाबले में विश्व की नंबर एक जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग के सामने नहीं टिक पाई और 11-21, 8-21 से हार गई।

इशारानी बरुआ ने तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन विश्व में 38वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में 20-19 पर एक आसान मौका गंवा दिया. विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी युफेई ने यह मैच 44 मिनट में 22-20, 21-13 से जीतकर चीन को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

दूसरे युगल में त्रीसा जॉली और कविप्रिया सेल्वम की जोड़ी को 59 मिनट तक चले मुकाबले में लूओ जू मिन और झांग शू जियान से 10-21, 21-12, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे

- ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल, देश में बैन, बीसीसीआई कार्रवाई कर सकता है

मुल्लांपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2026 में एक बार फिर विवादों घिर गई है. इस बार टीम अपने कप्तान रियान पराग के गलत कारणों से सुर्खियों में आई है. यह दाएं हाथ का बल्लेबाज पहले से ही अपने खराब प्रदर्शन के कारण सवालों के घेरे में है, और अब एक और विवाद ने उन पर सबका ध्यान खींच लिया है. दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक मैच के दौरान लाइव प्रसारण के एक क्लिप में रियान पराग को ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हुए देखा गया।

यह घटना न्यू-चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान 16वें ओवर में कैमरे में कैद हुई. फैंस ने तुरंत इस पल को पकड़ लिया, और तब से यह क्लिप सोशल मीडिया पर खूब शेयर की जा रही है. हालांकि इस मैच को राजस्थान ने 6 विकेट से अपने नाम कर लिया था, जिसकी वजह से पंजाब को इस सीजन पहली हार का सामना करना पड़ा।

द केरला स्टोरी 2 की ओटीटी रिलीज डेट बदली, 1 मई को जी 5 पर देगी दस्तक

द द केरला स्टोरी 2 काफी विवादों में रही थी. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला. अब फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने वाली है. हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अब चेंज हो गई है. पहले फिल्म 8 मई 2026 को जी 5 पर रिलीज होने वाली थी. लेकिन अब फिल्म की रिलीज को प्री-पोन कर दिया गया है. अब फिल्म 8 की जगह 1 मई को रिलीज होगी. फिल्म को आप हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, मलयालम और तमिल में भी देख पाएंगे. फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने दुनियाभर में 62.353 करोड़ कमाए. वहीं ग्रॉस 52.94 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म ने 88 लाख रुपये से ओपनिंग की थी. इसके बाद पहले हफ्ते में 22.90 करोड़ का कलेक्शन किया. दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 17.35 करोड़ की कमाई की. तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 11.13 करोड़ॉ कमाए. चौथे हफ्ते में फिल्म ने 88 लाख कमाए. पांचवें हफ्ते में ये घटकर 31 लाख हो गया. छठे हफ्ते में 17 लाख का बिजनेस किया. सातवें हफ्ते में 12 लाख और आठवें हफ्ते में 6 लाख कमाए. फिल्म ने नेट 52. 94 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म को कामाख्या नारायण सिंह ने डायरेक्ट किया. विपुल शाह फिल्म के प्रोड्यूसर थे. फिल्म में अदिती भाटिया, उल्का भाटिया, ऐश्वर्या ओझा, अर्जुन ओजला जैसे स्टार्स थे. ये फिल्म अपने कंटेंट की वजह से विवादों में रही. फिल्म में दिखाया गया कि कैसे कुछ लड़के लड़कियों को प्यार के जाल में फंसाकर उनका धर्म बदलवाते हैं और उन पर जुल्म करते हैं. ये फिल्म 2023 में आई फिल्म का सीक्वल है. द केरला स्टोरी को बहुत पसंद किया गया था. फिल्म ने धमाकेदार कमाई की और फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट हुई थी. इस फिल्म में अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सिद्धि इदनानी और सोनिया बलानी जैसी एक्ट्रेस थीं.

गीतू मोहनदास निर्देशित टॉक्सिक का एक और दिलचस्प पोस्टर रिलीज

भीरा के रूप में नजर आएंगे बालाजी मनोहर

क कन्नड़ एक्टर यश की आगामी गैंगस्टर फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स रोज नए-नए सस्पेंस के साथ फैंस की उत्सुकता बढ़ा रही है। निर्देशक गीतु मोहनदास की यह एक्शन से भरी फिल्म अब और भी चर्चा में है। आज फिल्म के एक और एक्टर के किरदार का नाम सामने आया है। बालाजी मनोहर फिल्म में भीरा की भूमिका में नजर आएंगे। यश ने आज अपनी फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का एक और दिलचस्प पोस्टर शेयर किया है, जिसमें अभिनेता बालाजी मनोहर नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में वह भीरा के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म के इस पोस्टर में बालाजी मनोहर हाथ में सिगार लिए और ब्लैक चश्मे में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर ने फिल्म के लिए फैंस की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है।

फिल्म की टीम लगातार नए किरदारों के पोस्टर जारी कर रही है, जिससे फैंस का जोश बढ़ता जा रहा है। पहले सुदेव नायर का कर्मादी वाला पोस्टर आया था। अब अक्षय ओबेरॉय टोनी के रोल में शामिल हुए हैं। उनका पोस्टर रेट्रो स्टाइल का है, जिसमें वो लाशों के ढेर पर खड़े दिख रहे हैं, जो उनके क्रूर किरदार की झलक देता है। यश फिल्म टॉक्सिक में दो अलग-अलग भूमिकाएं निभा रहे हैं। यह फिल्म मार्च 2026 के तीसरे हफ्ते में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 4 जून 2026 को यह दुनिया भर में रिलीज होगी। यह फिल्म 600 करोड़ रुपये के बड़े बजट में बनी है और बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद है। लेकिन इसे रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधरः द रिवेंज से कड़ी टक्कर मिलेगी। टॉक्सिक फिल्म का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है, जो एक अंधेरी, खतरनाक और खूनी दुनिया की झलक दिखाता है। फैंस 4 जून का इंतजार कर रहे हैं।

धनुष की फिल्म कारा की ओटीटी रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट

नेटफ्लिक्स ने मोटी रकम में खरीदे राइट्स

धनुष की मोस्ट अवेटेड फिल्म कारा का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे है. फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है. इस तमिल एक्शन थ्रिलर में धनुष एक रफ और इंटेंस किरदार में नजर आएंगे, जो फैंस के लिए काफी एक्साइटिंग होने वाला है. फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी बज बना हुआ है और अब इसके ओटीटी अपडेट ने इस एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है. फिल्म की थिएटर रिलीज़ से पहले ही इसके डिजिटल प्रीमियर को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म के पोस्ट-थिएट्रिकल डिजिटल राइट्स एक बड़ी रकम में हासिल किए हैं. हालांकि अभी तक इसकी ऑफिशियल ओटीटी रिलीज़ डेट सामने नहीं आई है, लेकिन उम्मीद है कि फिल्म अपने थिएटर रन पूरा करने के बाद प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी. विग्नेश राजा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1990 के गल्फ वॉर की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें एक्शन और इमोशन का दमदार मेल देखने को मिलेगा. फिल्म में धनुष के अलावा, ममिथा बैजू, के. एस. रविकुमार, करुणास, जयराम, पृथ्वी पांडियाराजन, सूरज वेंजरामूडु, एम. एस. भास्कर और श्रीजा रवि जैसे कलाकार नजर आएंगे. कारा की टेक्निकल टीम भी इस प्रोजेक्ट को और मजबूत बनाती है. फिल्म का संगीत जी. वी. प्रकाश कुमार ने दिया है, जो एक बार फिर धनुष के साथ काम कर रहे हैं. बता दें, कारा को वेल्स फिल्म इंटरनेशनल के तहत बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस किया है.

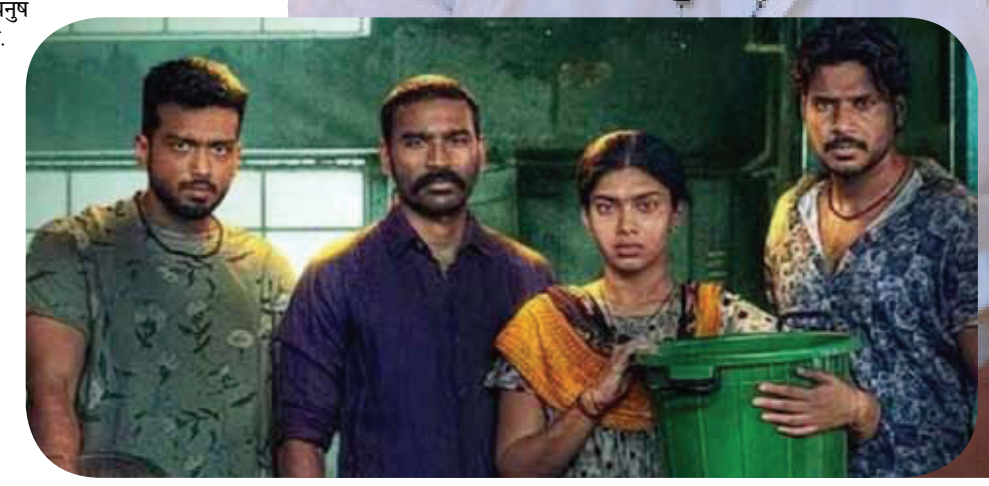

बॉक्स ऑफिसः भूत बंगला ने टॉयलेट के लाइफटाइम कलेक्शन को पछाड़ा

अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसका पेड प्रीव्यू एक दिन पहले 16 अप्रैल को शुरू हुआ. यह फिल्म 14 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अक्षय के पुनर्मिलन का भी प्रतीक है. दोनों ने पहले हेरा फेरी (2000), गरम मसाला (2005), भागम भाग (2006), भूल भुलैया (2007), दे दना दन (2009), और खट्टा मीठा (2010) जैसी हिट फिल्मों में साथ काम किया था. अब इस लिस्ट में भूत बंगला भी शामिल हो गया है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 9 दिन हो गए हैं. आइए जानें 9वें दिन फिल्म ने कितनी कमाई की है. प्रियदर्शन की निर्देशित भूत बंगला में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं. उन्होंने अपने कॉमिक अंदाज से फिल्म को बखूबी संभाला है, जो उनके पुराने फैंस के दिलों को छू गया है. उनके साथ स्क्रीन पर एक शानदार कलाकारों की टोली भी नजर आई, जिसमें परेश रावल, राजपाल यादव, वामिका गब्बी, जिस्सू सेनगुप्ता और असरानी शामिल है. इस फिल्म की कास्टिंग में ऐसे कलाकारों को प्राथमिकता दी गई है जो अपनी टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं. इसके जोक्स दर्शकों को हंसाने में पूरी तरह कामयाब रहे हैं. भूत बंगला ने दर्शकों का दिल जीत लिया है. अच्छी ओपनिंग के साथ, इसने अपने पहले हफ्ते में ही जबरदस्त रफ्तार पकड़ी. भारत में इसकी नेट कमाई पहले ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है. जहां कुछ समीक्षकों ने इसकी कॉमेडी की तारीफ की हैं, वहीं दर्शकों का रिस्पॉन्स भी पॉजिटिव रहा है. मेकर्स ने रविवार, 26 अप्रैल को भूत बंगला का लेटेस्ट कलेक्शन रिपोर्ट साझा किया है. मेकर्स के मुताबिक, अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 134.25 करोड़ रुपये कलेक्शन किया है. इसी के साथ भूत बंगला ने अक्षय कुमार की हिट फिल्म टॉयलेट- एक प्रेम कथा और राउडी राठौर के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2017 में आई टॉयलेट- एक प्रेम कथा ने 134.22 करोड़ का लाइफटाइम कलेक्शन किया था, जबकि राउडी राठौर का लाइफटाइम कलेक्शन 133.25 करोड़ रुपये था. सैकनिल्क रिपोर्ट के अनुसार, भूत बंगला ने विदेशों में 4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जिससे रिलीज के 9 दिनों बाद इसका कुल विदेशी कलेक्शन बढ़कर 41.5 करोड़ रुपये हो गया. वहीं, इसका कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 161.60 करोड़ रुपये रहा. मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए भूत बंगला से उम्मीद है कि वह विदेशों में 4-5 करोड़ रुपये कमाएगी और 10 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच जाएगी. दूसरी ओर, भूत बंगला के 175 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है. अगर वह यह आंकड़ा छू लेती है तो वह अक्षय की फिल्म जॉली एलएलबी 3 (171.65 करोड़ रुपये) के लाइफटाइम वर्ल्डवाइड कलेक्शन को पीछे छोड़ देगी.

आनंद देवरकोंडा की फिल्म तक्षकुडु का टीज़र जारी, नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगी

आ आनंद देवरकोंडा की आने वाली फिल्म तक्षकुडू का टीज़र आ गया है, और यह काफी चर्चा में है। विनोद अनंतोजू के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म, मिडिल क्लास मेलोडीज़ जैसी सफल फिल्म के बाद दोनों की दूसरी साथ में काम कर रही है। तक्षकुडू सीधे नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगी, थिएटर में रिलीज़ नहीं होगी, और यह कई देशों में 30 भाषाओं में उपलब्ध होगी।

आनंद देवरकोंडा एक अंधे आदमी का रोल कर रहे हैं जिसका पीछा एक अनजान आदमी कर रहा है, और टीज़र में थ्रिलिंग एलिमेंट्स और शानदार विज़ुअल्स दिखाए गए हैं। नितांशी गोयल, जिन्हें लापता लेडीज़ के लिए जाना जाता है, फीमेल लीड के तौर पर टॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म को सिथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, और इसकी स्ट्रीमिंग डेट अभी अनाउंस नहीं हुई है। टीज़र से पता चलता है कि आनंद देवरकोंडा पहले से अलग रोल कर रहे हैं, जिसमें एक दिलचस्प कहानी और ज़बरदस्त विज़ुअल्स हैं। मिडिल क्लास मेलोडीज़ की सफलता के साथ, फ़ैन्स तक्षकुडु की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। फ़िल्म की अनोखी कहानी और शानदार प्रोडक्शन वैल्यू से उम्मीद है कि यह थ्रिलर और ड्रामा एलिमेंट्स के अनोखे मेल के साथ नेटफ्लिक्स पर हिट होगी।

फ़िल्म की सफलता आनंद देवरकोंडा की एक वर्सेटाइल एक्टर के तौर पर जगह को और मज़बूत कर सकती है, और विनोद अनंतोजू के डायरेक्शन से इसके असर का एक बड़ा कारण होने की उम्मीद है। नागा वामसी ने सिथारा एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत फ़िल्म को प्रोड्यूस किया है।

शांति की तलाश में ओशो आश्रम आई थी याना गुप्ता

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस रीम शेख ने हाल ही में दूसरे धर्म में शादी को लेकर रिएक्ट किया. उन्होंने बताया कि वो फिलहाल सिंगल हैं और दूसरे धर्म में शादी नहीं कर सकती हैं. रीम ने बताया कि वो 5 वक्त की नमाज पढ़ती हैं और दूसरे धर्म के लड़के के साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी.

रीम शेख ने दूसरे धर्म में शादी को लेकर कहा, मैं अपने धर्म को मानती हूं. पांच वक्त की नमाज पढ़ती हूं. रमजान में रोजे रखती हूं. मैं इसीलिए दूसरे धर्म में शादी नहीं कर सकती. मैं खुदा से दुआ करती हूं और मेरी जिंदगी में जब भी कुछ होता है तो मैं उनके पास ही जातू हूं.

आगे रीम ने कहा, अगर कोई लड़का दूसरे धर्म को फॉलो करता है तो मैं उसके साथ एडजस्ट नहीं कर पाऊंगी. मैं जानती हूं मेरे ऐसा कहने पर मुझे गालियां पड़ेगीं. पर मैं ऐसे किसी लड़के के साथ नहीं रह सकती जो दूसरे धर्म को मानता हो. रीम ने कहा कि उनके पेरेंट्स की इंटरफेथ मैरिज थी. लेकिन ये शादी चली नहीं थी. रीम के करियर की बात करें तो उन्होंने 8 साल की उम्र से एक्टिंग करना शुरू किया था. वो शो नीर भरे तेरे नैना देवी में दिखीं.

शो में वो देवी लक्ष्मी के रोल में थीं. इसके अलावा उन्होंने ना आना इस देस लाडो, एक हजारों में मेरी बहना है, मी अज्जी और साहिब, ये रिश्ता क्या कहलाता है, बेस्ट ऑफ लक निक्की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, देवों के देव... महादेव, दिया और बाती हम, तू आशिकी, ए जिंदगी, संकट मोचन महाबली हनुमान, तुझसे है राबता, खतरा खतरा खतरा जैसे शोज किए. पिछली बार उन्हें शो लाफ्टर शेफ में देखा गया था. रीम ने वजिर, गुल मकई, होमबाउंड जैसी फिल्में की हैं.

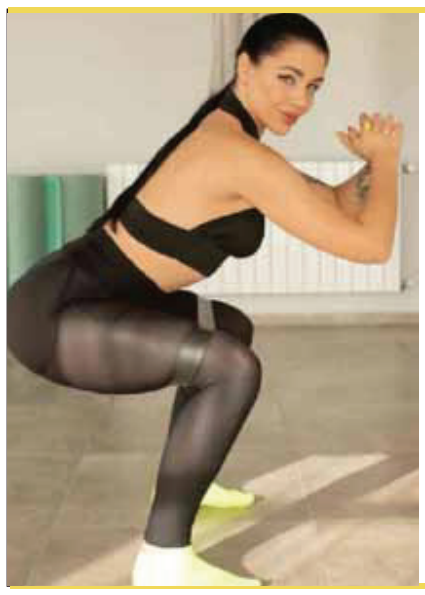

हाथ-पैरों को मजबूत कर सकती है ग्लूट-हैम रेज एक्सरसाइज, इसके दौरान रखें इन बातों का ध्यान

ग्लूट ग्लूट-हैम रेज एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो आपके निचले शरीर और हैमस्ट्रिंग को मजबूत बना सकती है। यह एक्सरसाइज न केवल पैरों को टोन करती है, बल्कि पीठ के निचले हिस्से को भी मजबूत करती है। इसे सही तरीके से करने के लिए कुछ खास बातें जानना जरूरी है। आइए आज हम आपको ग्लूट-हैम रेज से जुड़ी 5 अहम बातें बताते हैं, जिनसे आप इस एक्सरसाइज का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। ग्लूट-हैम रेज करते समय सही मुद्रा का चयन करना बहुत जरूरी है। आपको अपने पैरों को स्थिर प्लेटफॉर्म पर रखना होगा और ध्यान रखना होगा कि आपके घुटने सीधे रहें। इससे आपकी पीठ के निचले हिस्से पर सही दबाव पड़ेगा और आप इस एक्सरसाइज को बेहतर तरीके से कर पाएंगे। इसके अलावा आपको अपने हाथों को छाती पर क्रॉस करना चाहिए या सिर के पीछे रखना चाहिए, ताकि आप संतुलन बना सकें। अगर आप पहली बार ग्लूट-हैम रेज कर रहे हैं तो शुरुआत में हल्के वजन का ही चुनाव करें। धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं, ताकि आपकी मांसपेशियां इसे सहन कर सकें और चोट का खतरा कम हो। इससे न केवल आपकी ताकत बढ़ेगी, बल्कि आपकी तकनीक भी सुधरेगी। ध्यान रखें कि वजन बढ़ाने की प्रक्रिया धीरे-धीरे हो, ताकि शरीर को उसे अपनाने का समय मिल सके और आप सुरक्षित तरीके से अधिकतम लाभ उठा सकें। ग्लूट-हैम रेज करते समय अपनी सांसों पर ध्यान देना नहीं भूलना चाहिए।

ऊपर की ओर उठते समय सांस लें और नीचे की ओर लौटते समय सांस छोड़ें। इससे आपकी एक्सरसाइज ज्यादा प्रभावी होगी और आपको ज्यादा ऊर्जा मिलेगी। सही तरीके से सांस लेने से आपकी मांसपेशियों पर बेहतर प्रभाव पड़ेगा और आप ज्यादा समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे। इसके अलावा यह आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाएगी और आपको बेहतर परिणाम देगी। ग्लूट-हैम रेज करते समय आपका फॉर्म बहुत अहम होता है। आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और कोई भी मोड़ या खिंचाव नहीं होना चाहिए। इसे सही तरीके से करने से न केवल चोट लगने का खतरा कम होता है, बल्कि इससे आपके ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग पर अधिक प्रभाव पड़ता है। सही फॉर्म से आप इस एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं और अपनी मांसपेशियों को मजबूत बना सकते हैं। किसी भी एक्सरसाइज का पूरा फायदा उठाने के लिए नियमितता बहुत जरूरी होती है। सप्ताह में कम से कम 3 बार ग्लूट-हैम रेज करें, ताकि आपके शरीर को इसकी आदत हो जाए और आप इसके सारे लाभ पा सकें। नियमितता से न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, बल्कि आपका संतुलन भी बेहतर होगा। इसके अलावा इससे आपकी सहनशक्ति में भी वृद्धि होगी और आप अधिक समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे।

ई-रिक्शा से वोट डालने पहुंचीं महुआ मोइत्रा, बोलीं— लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

कोलकाता (एजेंसी)। महुआ मोइत्रा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान मतदान कर चुनाव को 'लोकतंत्र बचाने की लड़ाई' बताया। नदिया जिले के करीमपुर गर्ल्स हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मतदाताओं से बड़ी संख्या में भागीदारी की अपील की। मोइत्रा ई-रिक्शा (टोटो) से मतदान केंद्र पहुंचीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन्हें मोटरसाइकिल से आने की अनुमति नहीं दी थी, इसलिए उन्हें वैकल्पिक साधन का उपयोग करना पड़ा। मतदान के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उनके अनुसार, 'करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और जो लोग सूची में हैं, वे इस बार 100 प्रतिशत मतदान करेंगे। इसी वजह से मतदान प्रतिशत काफी अधिक रहने वाला है।' उन्होंने आगे कहा कि जनता इस बार 'बदले की भावना' के साथ वोट कर रही है और केंद्र सरकार व चुनाव आयोग को जवाब देगी। मोइत्रा ने इसे सीधे तौर पर लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई बताते हुए कहा कि लोगों में भारी आक्रोश है।

जमानत के बाद भी शिलॉन्ग में ही रहना होगा सोनम रघुवंशी को

शिलांग (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर नगर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ सामने आया है। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह बिना अनुमति शिलांग नहीं छोड़ सकतीं और ट्रायल के दौरान वहीं रहना होगा। मेघालय की राजधानी शिलांग की अदालत ने सोमवार को जमानत मंजूर की थी। इसके बाद मंगलवार को उनके पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत की औपचारिकताएं पूरी कीं। मंगलवार शाम को ही सोनम जेल से रिहा भी हो गईं। रिहाई के बाद उन्होंने मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया और पिता के साथ वहां से चली गईं। यहां बताते चलें कि यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सोनम मुख्य आरोपी के तौर पर गिरफ्तार हुई थीं। अदालत ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। जमानत का सबसे बड़ा आधार गिरफ्तारी प्रक्रिया में पाई गई खामियां रहीं। बचाव पक्ष ने दलील दी कि 7 जून 2025 को गाजिपुर में गिरफ्तारी के समय आरोपों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। अदालत ने जांच के दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां पाईं और कहा कि यह प्रक्रिया कानून के अनुरूप नहीं थी। कोर्ट ने आर्टिकल 22(1) ऑफ द कॉन्सटिट्यूशन ऑफ इंडिया का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तारी के कारण बताना अनिवार्य है। ऐसा न करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। इसी आधार पर अदालत ने सोनम को जमानत दी, लेकिन सख्त शर्तें भी लगाईं। उन्हें ट्रायल के दौरान शिलॉन्ग में ही रहना होगा और बिना अदालत की अनुमति शहर छोड़ने की इजाजत नहीं होगी। इस फैसले के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अब आगे की सुनवाई और ट्रायल की प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हैं।

भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, 16 राउंड फायरिंग से दहशत

पुणे (एजेंसी)। पूना के देहूरोड इलाके में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात एक सनसनीखेज घटना में भाजपा कार्यकर्ता रमेश रेड्डी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई और पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे सवाना चौक पर मौजूद रमेश रेड्डी पर पहले से घात लगाए हमलावरों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने करीब 16 राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली उनके सिर में लगी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद देहूरोड क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन मौके पर पहुंच गए। किसी भी अप्रिय स्थिति को देखते हुए पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

भाई की हत्या से जोड़कर देखी जा रही वारदात

मीडिया रिपोर्ट में प्राथमिक जानकारी से खुलासा हुआ है कि रमेश रेड्डी भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता थे। उनका नाम कुछ विवादित गतिविधियों में भी सामने आता रहा है। मटका कारोबार से जुड़े होने की चर्चा भी है, हालांकि फिलहाल यह कारोबार बंद बताया जा रहा है। इस हत्या का संबंध पिछले वर्ष उनके भाई विक्रम गुरुस्वामी रेड्डी की हत्या से भी जोड़ा जा रहा है। विक्रम रेड्डी की मौत जन्मदिन पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में हुई थी। उस मामले में आरोपी अभी जेल में हैं और उन्हें जमानत नहीं मिली है। इसके बावजूद पुलिस इस एंगल से जांच कर रही है कि क्या किसी समझौते को लेकर विवाद इस नई घटना की वजह बना।

गाजियाबाद की गौर ग्रीन सोसाइटी में भीषण आग

गाजियाबाद (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में 9वीं मंजिल से उठी लपटें 13वीं मंजिल तक पहुंच गईं और काले धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा। आग लगने की सूचना मिलते ही सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने फ्लैट छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। हालांकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू होने से बड़ी जनहानि टल गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का तुरंत संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को मौके पर पहुंचकर स्थिति की निगरानी करने को कहा गया। दमकल विभाग की करीब 20 गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग बुझाने के साथ ही प्रभावित बिल्डिंग को ठंडा करने का कार्य जारी है। प्रारंभिक जांच में आग 9वीं मंजिल से शुरू होने की बात सामने आई है। आग शॉर्ट सर्किट से लगी या कोई कारण रहा अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

'जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रो. जुगल किशोर का अद्वितीय योगदान '

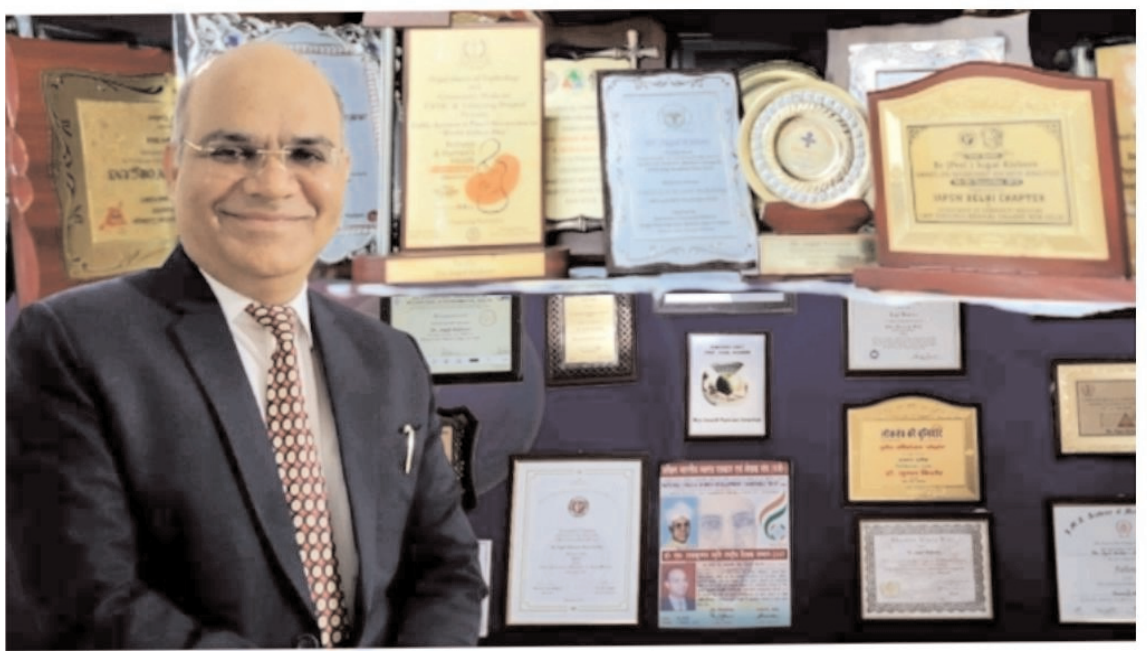

प्रो. जुगल किशोर आचार्य

प्रो. जुगल किशोर एक प्रख्यात भारतीय जन-स्वास्थ्य विशेषज्ञ हैं, जो सामुदायिक चिकित्सा, महामारी विज्ञान और स्वास्थ्य प्रणाली अनुसंधान में अपने व्यापक योगदान

के लिए जाने जाते हैं। वे वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल से जुड़े रहे हैं, जहाँ उन्होंने सामुदायिक चिकित्सा विभाग में वरिष्ठ संकाय सदस्य के रूप में कार्य किया है।

शिक्षण, अनुसंधान और नीतिगत कार्यों में दशकों के अनुभव के साथ, प्रो. किशोर ने भारत में जन स्वास्थ्य शिक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका अकादमिक कार्य गैर-संचारी रोगों, मानसिक स्वास्थ्य, व्यावसायिक स्वास्थ्य, तंबाकू नियंत्रण और स्वास्थ्य संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करता है। वे विशेष रूप से तंबाकू के उपयोग और इसके जन स्वास्थ्य प्रभावों से संबंधित अनुसंधान और वकालत में सक्रिय रहे हैं, और तंबाकू नियंत्रण रणनीतियों पर राष्ट्रीय और वैश्विक चर्चा में योगदान दिया है। प्रो. किशोर ने कई पुस्तकों और सहकर्मी-समीक्षित जर्नल लेखों का लेखन और संपादन किया है, जिससे साक्ष्य-आधारित जन स्वास्थ्य अभ्यास में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। उनका कार्य अक्सर अकादमिक अनुसंधान और नीति कार्यान्वयन के बीच की खाई को पाटता है, जिसका मुख्य उद्देश्य कमजोर आबादी के बीच स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करना है। वे स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षण देने और सार्वजनिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट अनुसंधान का मार्गदर्शन करने में भी शामिल रहे हैं।

अपनी अकादमिक भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और नीतिगत चर्चाओं में योगदान दिया है, जिसमें रोग निवारण, स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण और समुदाय-आधारित हस्तक्षेपों पर विशेषज्ञता प्रदान करना शामिल है। सरकारी और गैर-सरकारी निकायों के साथ उनका जुड़ाव भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रथाओं को आगे बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर उनकी पुस्तकें सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थानों के पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से पद्धति, विधिक और नीति जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं के आयोजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इन आयोजनों ने शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और चिकित्सकों को साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों और रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाने का कार्य किया है। उनसे मेरी पहली मुलाकात मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में ऐसे ही एक सम्मेलन के दौरान हुई थी। मैंने 2008 में आईपीएचए सम्मेलन के दौरान युवाओं के स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं के माध्यम से पारस्परिक अंतःक्रिया की भूमिका पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया था। तथापि, प्रो. जुगल किशोर के साथ मेरा जुड़ाव लगभग ढाई दशक पुराना है, जब मैंने जनसंख्या और विकास पर एक पाठ्यक्रम पढ़ाना शुरू किया था, और बाद में जनसंख्या स्वास्थ्य और विकास पर।

इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में पढ़ाना उनकी पुस्तकों, विशेष रूप से 'भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम' और 'जन स्वास्थ्य का शब्दकोश' के कारण सरल हो गया। उनकी कुछ अन्य पुस्तकों में स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए 'स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के लिए स्वास्थ्य की पाठ्यपुस्तक ', 'भारत में जैवचिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन ', 'कन्या भ्रूण हत्या ', 'भारत के अग्रणी सामाजिक सुधारक ', और 'भारत में मानवाधिकार आंदोलन के महान योद्धा' शामिल हैं। उनकी बौद्धिक सहजता उन्हें पारंपरिक जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों से अलग करती है। यह उनके लेखन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जो तकनीकी शब्दावली से मुक्त है। उनके द्वारा आयोजित अकादमिक सम्मेलन भी इसकी पुष्टि करते हैं। महामारी विज्ञान, सामुदायिक चिकित्सा और स्वास्थ्य संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उन्होंने अक्सर सत्र अध्यक्ष, मुख्य वक्ता या आयोजन समिति सदस्य के रूप में कार्य किया है। इन सम्मेलनों का उद्देश्य जन स्वास्थ्य क्षमता को मजबूत करना, युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करना और अंतर्विषयक संवाद को बढ़ावा देना रहा है। प्रो. जुगल किशोर जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों और अकादमिक मंचों के आयोजन और नेतृत्व में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं, विशेष रूप से वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल में अपनी भूमिका के माध्यम से।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (IAPSM) के तत्वावधान में सम्मेलनों और अन्य अकादमिक कार्यक्रमों के आयोजन में उनका नेतृत्व उल्लेखनीय है, जिसमें पत्रिकाओं का प्रकाशन भी शामिल है। इन सम्मेलनों में गैर-संचारी रोगों, तंबाकू नियंत्रण, स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण और शहरी स्वास्थ्य जैसी समकालीन सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसमें संवेदनशील आबादी को केंद्र में रखने की आवश्यकता को मान्यता दी गई है। सम्मेलनों के आयोजन में उनकी भूमिका ज्ञान प्रसार, पेशेवर नेटवर्किंग और सामाजिक न्याय तथा मानवाधिकारों के परिप्रेक्ष्य से भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य चर्चा को आगे बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अधिकांश जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों के विपरीत, उनका मिशन सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित जटिल अवधारणाओं और ढांचों को सरल बनाना रहा है। उन्होंने वास्तव में जन स्वास्थ्य को मुख्यधारा की स्वास्थ्य चर्चा में शामिल किया, जहाँ नैदानिक (क्लिनिकल) क्षेत्र का प्रभुत्व नहीं था। स्वास्थ्य और चिकित्सीय देखभाल के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं को वह आवश्यक ध्यान और समान मंच दिया गया, जिसकी उन्हें बहुत आवश्यकता थी।

प्रो. जुगल किशोर का कार्य समकालीन जन स्वास्थ्य चुनौतियों, विशेष रूप से शहरी और संसाधन-सीमित परिवेशों में, के समाधान हेतु अनुसंधान, शिक्षण और नीति को एकीकृत करने के निरंतर प्रयास को दर्शाता है।

'डिजिटल अरेस्ट' पर सख्ती: ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खाते ब्लॉक करने की तैयारी

सिम सत्यापन से लेकर बैंकिंग निगरानी तक कड़े उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में तेजी से बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर ठगी के मामलों पर अब केंद्र की मोदी सरकार ने सख्त रुख दिखाया है। इस बढ़ते खतरे को देखकर मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश कर ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खातों को ब्लॉक करने सहित कई कड़े कदमों का खाका तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, समस्या से निपटने के लिए दूरसंचार, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बैंकिंग तंत्र के बीच समन्वित कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय रिज़र्व बैंक जैसे प्रमुख संस्थानों को एक साथ काम करने के निर्देश देने की मांग की है, ताकि सुरक्षा उपायों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जा सके।

दूरसंचार क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में देखने को मिलेगा। मोदी सरकार 'बायोमैट्रिक पहचान सत्यापन प्रणाली' को अनिवार्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे फर्जी सिम कार्ड के इस्तेमाल पर रोक लग सके। इसके अलावा, सिम सक्रियण से जुड़े पॉइंट ऑफ सेल (पीएसओ) एजेंटों के लिए भी कड़े सत्यापन और जवाबदेही नियम लागू किए जाएंगे। केंद्र की सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई रिपोर्ट में प्रस्ताव है कि साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध मोबाइल नंबरों और सिम कार्डों को तुरंत ब्लॉक करे। साथ ही, दूरसंचार कंपनियों को जांच एजेंसियों के साथ रियल-टाइम डेटा साझा करने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि अपराधियों तक तेजी से पहुंचा जा सके।

डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर भी मोदी सरकार सतर्क है। रिपोर्ट में व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म के लिए 'सिम-बाइंडिंग' और उन्नत सुरक्षा तंत्र लागू करने की बात की गई है। इसके तहत संदिग्ध कॉल्स और लंबी धोखाधड़ी वार्ताओं की पहचान कर उन्हें रोका जा सकेगा। साथ ही, स्कैम में इस्तेमाल होने वाले डिवाइस की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करने की व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। वित्तीय क्षेत्र में, मोदी सरकार ने बैंक खातों पर तत्काल कार्रवाई के लिए नई व्यवस्था सुझाई है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत संदिग्ध खातों पर अस्थायी डेबिट रोक लगाने का प्रावधान लागू किया जाएगा। इससे धोखाधड़ी के मामलों में पीड़ितों के नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम में अपराधी खुद को पुलिस या जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और जुर्माना या सुरक्षा फीस के नाम पर पैसे ठगते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में इस तरह के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है और इसका शिकार आम नागरिकों से लेकर अधिकारी और बुजुर्ग तक हो रहे हैं।

हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ाई

-नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ा दी है। आसाराम की जमानत अवधि 6 मई को खत्म हो रही थी। आसाराम ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था। उस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की बेंच ने बुधवार को आसाराम की जमानत अवधि को 25 मई तक बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आसाराम की ओर से पैरवी करते हुए उनके वकील यशपाल राजपुरोहित ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट उनकी अपील पर सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि आसाराम का इलाज

अभी जारी है। ऐसे में इलाज पूरा होने तक जमानत की अवधि बढ़ाई जाए। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को 29 अक्टूबर 2025 को जमानत दी थी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक याचिका मेडिकल आधार पर लगाई गई थी। राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को तब पहली बार जमानत मिली थी। इससे पहले अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद उसने 30 अगस्त 2025 को सरेंडर किया था। बता दें नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अप्रैल 2018 से आजीवन कारावास की सजा आसाराम काट रहा है। करीब 12 साल की कैद के बाद पहली बार 7 जनवरी 2025 को उसे मेडिकल कारणों से अंतरिम जमानत दी गई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट में 29 अक्टूबर 2025 को आसाराम की सजा स्थगन और मेडिकल ग्राउंड पर जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई थी। आसाराम की ओर से दिल्ली से आए सीनियर वकील ने पैरवी की थी। राजस्थान सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल दीपक चौधरी ने दलील रखीं। पीड़िता की ओर से एडवोकेट पीसी सोलंकी ने पैरवी की। सभी पक्षों को सुनने के बाद बेंच ने 6 महीने की जमानत दी थी। यह जमानत 6 मई 2026 को खत्म हो रही थी।

क्रूड ऑयल की किल्लत से अब भारत में सड़क बनाना भी हुआ मुश्किल

-ईरान ने होर्मुज को कर रखा है बंद तो अमेरिका ने कर रखी है नाकाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका की बीच दूसरे चरण की वार्ता ना होने से तेल बाजार एक बार फिर उछाल आया। एक उम्मीद जगी थी कि शायद जल्द ही होर्मुज खुल जाए। हालांकि अब इसका कोई रास्ता फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में ब्रेंट ऑइल की कीमतें 2.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 107.97 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान की तरफ से ट्रंप के सामने एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसमें कहा गया है कि होर्मुज खोलने को लेकर पहले बात होनी चाहिए और परमाणु मुद्दे पर बात बाद में भी हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो अमेरका और ईरान के बीच युद्धविराम चल रहा है लेकिन होर्मुज का रास्ता अब भी बंद है। एक तरफ अमेरिका ने नाकेबंदी कर रखी है। इसी वजह से ईरान भी होर्मुज को खोलने को तैयार नहीं है। इसके चलते उर्वरक, प्राकृतिक गैस, फ्यलू और कच्चे तेल की सप्लाई ठप हो गई है। जानकारों का कहना है कि अगर स्थितियां ऐसी ही बनी रहीं तो आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतों में और इजाफा होगा। वहीं पेट्रोल और डीजल की किल्लत बढ़ सकती है।

लाइव लॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और शोध विश्लेषक ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, विशेषकर होर्मुज के आसपास की स्थिति और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ी है। इससे कच्चे तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है और ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ऊंची तेल कीमतें सबसे अहम आर्थिक कारक हैं, क्योंकि इससे महंगाई, रुपए और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ता है।

अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से यूपी में सड़कों के निर्माण के लिए डामर (बिटुमिन) का संकट गहरा गया है। इसका असर हमीरपुर जिले में लोक निर्माण विभाग की सड़क परियोजनाओं पर साफ दिखाई दे रहा है। कई सड़कें अधर में लटक गई हैं, जबकि कुछ स्थानों पर गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि सड़क निर्माण में उपयोग होने वाला डामर क्रूड ऑयल से तैयार होता है और भारत में इसके लिए ईरान समेत अन्य देशों से कच्चे तेल का आयात किया जाता है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से इसकी आपूर्ति प्रभावित हुई है।

उन्होंने बताया कि जब ठेकेदारों ने टेंडर डाले थे, उस समय डामर की कीमत करीब 42 हजार रुपए प्रति मीट्रिक टन थी, लेकिन अब जीएसटी समेत यह बढ़कर करीब एक लाख रुपए प्रति मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। डामर की कीमतों में इस भारी वृद्धि से ठेकेदारों में हड़कंप मचा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com